शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 315 | गुवाहाटी | बुधवार, 18 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

धुबड़ी में कानून-व्यवस्था पर डीजीपी सख्त, पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल पेज 2

अल्पसंख्यक समुदाय के सैकड़ों पुरुष-महिलाएं भाजपा में शामिल पेज 3

प्रधानमंत्री का साइप्रस में सम्मान देश का सौभाग्य वर्धन : शेखावत पेज 5

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना की धमाकेदार वापसी, बनीं नंबर वन पेज 7

ईरान-इजरायल युद्ध में सीधा उतर रहा अमेरिका

ईरानियों को तेहरान खाली करने की चेतावनी दे डोनाल्ड ट्रंप ने जी-7 शिखर सम्मेलन बीच में छोड़ा

कैलगरी (एजे /हि.स.)। जी-7 बैठक को बीच में ही छोड़कर वापस अमेरिका निकले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले कदम पर पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थी। अब ट्रंप की तरफ से पहला रिएक्शन भी सामने आया है। ट्रंप ने ईरान को लेकर बड़ा ऐलान किया है। ईरान परमाणु बम बनाने के बहुत करीब है। ट्रंप ने कहा कि अगले कुछ दिन में बहुत कुछ साफ हो जाएगा। ट्रंप ने अमेरिका पहुंचे ही राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाई है। उन्होंने रक्षा मंत्री समेत सारे सलाहकारों को सिचुएशन रूम में बुलाया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि अमेरिका के निशाने पर ईरान को फोर्डो परमाणु संयंत्र हैं। अमेरिका बी-2 स्टील्थ बम गिरा सकता है। ये बम जीबीयू-57 या एमओपी 61 मीटर की परत भेद सकता है। या तो अमेरिका ईरान के परमाणु संयंत्र को निशाना बनाने वाला है या फिर ईरान में तख्तापलट हो सकता है। हालांकि ये सारी अटकलें हैं और माना ये जा रहा है कि सारी कुछ ईरान को परमाणु डील करने के लिए मजबूर करने की चाल है। इजरायल भी लगातार यही बयान देता आ रहा है। इजरायल ने साफ भी किया कि ईरान पर उसने हमला भी इसी वजह से किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर उन रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने ईरान के साथ शांति वार्ता शुरू की है। उन्होंने कहा कि मैंने किसी भी तरह, आकार या रूप में ईरान से *शांति वार्ता* के लिए संपर्क नहीं किया है। यह सिर्फ और सिर्फ मनगढ़ंत, झूठी खबर है! अगर वे बात करना चाहते हैं, तो उन्हें पता है कि मुझ तक कैसे पहुंचना है। उन्हें उस सौदे को स्वीकार कर लेना चाहिए था जो टेबल पर था - इससे बहुत से लोगों की जान बच जाती! एयर फोर्स वन में सवार होते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध विराम से बेहतर होगा एक वास्तविक अंत - युद्ध विराम नहीं। एक अंत। एयरफोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और मध्य पूर्व के लिए अपने विशेष दूत स्टीव विटकॉफ को भेज सकते हैं। गौरतलब है कि ईरान और इजरायल के बीच चार दिनों तक चले इस संघर्ष में ईरान को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, कम से कम 224 लोग मारे गए हैं, जिनमें 70 महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, और 1,277 लोग घायल हुए हैं। इजराइल में, मरने वालों की -शेष पृष्ठ दो पर

ईरान ने मोसाद हेडक्वार्टर में दागी मिसाइल

तेहरान। ईरान ने तेल अवीव के गिलिलोट में स्थित इजरायली मोसाद खुफिया इमारत को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइल हमला किया है। रिपोर्टों के अनुसार, मोसाद मुख्यालय पर कम से कम एक ईरानी मिसाइल से हमला किया गया, जिससे दोनों देशों के बीच चल रही शत्रुता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 17 जून को आईडीएफ ने ईरान से इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बौछार देखी। सायरन बजने लगे और आने वाली मिसाइलों को रोकने के लिए हवाई सुरक्षा सक्रिय कर दी गई। उत्तरी से दक्षिणी इजरायल तक, इजरायल के बड़े हिस्से में सायरन बजने लगे। इजरायली अधिकारियों के अनुसार, 17 जून को ईरान द्वारा मध्य इजरायल पर कम से कम 20 बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के दौरान, तेल अवीव के ठीक उत्तर में रमत हशरोन में मोसाद की एक इमारत के पास कई विस्फोट देखे गए। सोशल मीडिया पर प्रसारित फुटेज में मोसाद इमारत के ठीक पूर्व में सड़क के दोनों ओर दो बड़े विस्फोट दिखाई दे रहे हैं। खुफिया सेवा की इमारत के उत्तर में स्थित स्थानों से धुएं के गुबार उठते देखे जा सकते हैं। फुटेज से यह स्पष्ट नहीं होता है कि हमले में मोसाद की इमारत को निशाना बनाया गया था या नहीं। लेकिन रमत हशरोन में उन्हीं स्थानों से धुआं उठता हुआ दिखाई दे रहा है। रिपोर्ट में यह भी -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल गांधी ही सोच सकते हैं कि कोई हिंदू मंदिर में फेंकेगा गोमांस : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंदिर के बाहर गोमांस फेंके जाने ने की घटना को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त है। मंगलवार को एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पूछे गए एक सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संदर्भ में हिंदुओं पर आरोप लगाना समाज में साम्प्रदायिक तनाव फैलाने की साजिश है और ऐसी मानसिकता सिर्फ राहुल गांधी की ही हो सकती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि कोई हिंदू समाज का व्यक्ति मंदिर के सामने गोमांस रख सकता है, उन्हें किसी जवाब की जरूरत ही नहीं। यह मानसिक रूप से विकृत सोच को दर्शाता है। उन्होंने इस घटना के -शेष पृष्ठ दो पर

कछार में बांग्लादेश सीमा पर रात्रि कर्फ्यू लगाया गया

सिलचर। भारत-बांग्लादेश सीमा पर चरमपंथी तत्वों की संभावित गतिविधि की खुफिया जानकारी के बीच, कछार प्रशासन ने शांति बनाए रखने और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए सीमा से सटे प्रमुख इलाकों में रात के समय प्रतिबंध लगा दिए हैं। ये प्रतिबंध जारी होने की तिथि से दो महीने तक लागू रहेंगे, जब तक कि उन्हें पहले ही संशोधित या रद्द नहीं कर दिया जाता। जिला मजिस्ट्रेट मृदुल यादव ने भारतीय नागरिक सुरक्षा -शेष पृष्ठ दो पर

असम-मेघालय में भारी बारिश की आशंका, रेड अलर्ट जारी

गुवाहाटी/शिलांग (हि.स.)। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को असम और मेघालय के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के इनपुट के आधार पर अगले दो दिनों तक अत्यधिक भारी बारिश के साथ गरज-चमक और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। यह रेड अलर्ट बुधवार और गुरुवार तक प्रभावी रहेगा, जिसके बाद शुक्रवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इससे संकेत मिलता है कि खराब मौसम की स्थिति सप्ताह के अंत तक बनी रह सकती है। हालात की गंभीरता को देखते हुए दोनों राज्यों में सतर्कता और एहतियाती -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

24 मिलियन साल पुराना सबूत... असम में मिला जैव विविधता का गुमनाम अध्याय

माकुम। पूर्वोत्तर भारत के असम राज्य में माकुम कोलफील्ड की गहराइयों में वैज्ञानिकों ने एक ऐसा रहस्य खोजा है, जिसने दक्षिण एशिया की जैव विविधता की समझ को एक नया मोड़ दे दिया है। बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी), लखनऊ के वैज्ञानिकों को यहां ऐसी जीवाश्म पत्तियां मिलीं, जो लाखों साल पहले पनपने वाले एक दुर्लभ पौधे की हैं। इसका नाम है नॉथोपेगिया। यह प्रजाति लगभग 2423 मिलियन वर्ष पहले पूर्वोत्तर भारत में पाई जाती थी। यह कहानी सिर्फ एक विलुप्त पत्ती की नहीं है, यह हमारी पृथ्वी पर जीवन की जिजीविषा और उसके बदलाव की कहानी है। यह खोज इसलिए खास है क्योंकि नॉथोपेगिया पौधा आज केवल पश्चिमी घाटों के जंगलों में पाया जाता है। वह भी हजारों किलोमीटर दूर। मगर, इन जीवाश्म पत्तियों से पता चला है कि यह प्रजाति पहले पूर्वोत्तर भारत में पाई जाती थी। ये अब तक का सबसे पुराना नॉथोपेगिया का जीवाश्म रिकॉर्ड है। शोधकर्ताओं ने हर्बेरियम तुलना, क्लस्टर विश्लेषण और पत्तियों की बनावट के आधार पर इसकी पहचान की। इसके बाद क्लाइमेट लीफ एनालिसिस मल्टीवेरिएट प्रोग्राम (क्लैम्प) से यह भी पता लगाया कि उस समय पूर्वोत्तर भारत की जलवायु आज के

पश्चिमी घाटों की तरह गर्म और नम थी। मगर समय के साथ हिमालय के उठने और टेक्टोनिक गतिविधियों के चलते इस क्षेत्र की जलवायु पूरी तरह बदल गई। रिसर्च में ये भी पाया गया कि तापमान गिरा, बारिश के पैटर्न बदले और हवा की दिशा में भी परिवर्तन आया। इसका असर ये हुआ कि कई उष्णकटिबंधीय पौधे, जिनमें नॉथोपेगिया भी शामिल था, इस क्षेत्र से पूरी तरह लुप्त हो गए। वहीं, पश्चिमी घाट की स्थिर जलवायु ने इस प्रजाति को बचाए रखा। इस अध्ययन को हाल ही में *रिव्यू ऑफ पेलियोबोटानी एंड पेलीनोलॉजी* नामक साइंस मैग्जीन में प्रकाशित किया गया है। रिसर्च में पुरावनस्पति विज्ञान, व्यवस्थित विज्ञान और जलवायु मॉडलिंग का संयोजन कर यह पता लगाया गया कि कैसे लाखों साल में पारिस्थितिकी तंत्र का चेहरा बदलता है। शोध का एक बड़ा संदेश यह भी है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से प्रजातियों का पलायन और विलुप्ति कोई नई बात नहीं है। मगर, आज के दौर में यह परिवर्तन कहीं अधिक तेज और खतरनाक हैं। इसकी वजह ये है कि इन्हें प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय गतिविधियां चला रही हैं। ये जीवाश्म खोज अतीत की एक खिड़की है जो हमें भविष्य को समझने में मदद करती है। ये स्टडी ये भी बताती है कि भारत जैसे जैव विविधता-समृद्ध देश को कैसे जलवायु संकट से निपटना चाहिए और पश्चिमी घाट जैसे शरणस्थलों को किस तरह संरक्षित रखना जरूरी है।

धुबड़ी में कानून-व्यवस्था पर डीजीपी सख्त, पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चल रहे प्रयासों के बीच, असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरमीत सिंह ने मंगलवार को धुबड़ी एसपी कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में वेस्टर्न रेंज के डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी), वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसपी), थाना प्रभारियों (ओसी) और विभिन्न पुलिस चौकियों के प्रभारी अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान डीजीपी ने जिले की मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की और पुलिसिंग व्यवस्था को और मजबूत करने पर जोर दिया। डीजीपी हरमीत सिंह ने बैठक में स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि असम में शांति भंग करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से कहा कि हमने दोहराया कि शांति भंग करने वालों के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस नीति जारी रहेगी। इस बीच, धुबड़ी जिले की पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। इसमें 10 असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (यूबी), 20 सब-इंस्पेक्टर (यूबी) और 25 लांस नायक, नायक व हवलदार रैंक के कर्मियों का तत्काल प्रभाव से अन्य जिलों में तबादला कर दिया गया। इस कदम को जिले में फील्ड ऑपरेशनों को मजबूत करने और पुलिसिंग दक्षता बढ़ाने की दिशा में एक अहम प्रशासनिक प्रयास माना जा रहा है।

राजा हत्याकांड में नया खुलासा

एक नहीं दो हथियारों से हुआ था राजा का कत्ल

नई दिल्ली। इंदौर के व्यापारी राजा रघुवंशी मामले में एक नया अपडेट सामने आया है। इस हत्याकांड की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मेघालय में अपने हनीमून के दौरान मारे गए राजा रघुवंशी पर तीनों लोगों ने हमला किया था। ये तीनों राजा की पत्नी के कथित प्रेमी राज के मित्र थे। दरअसल, आज मंगलवार को मेघालय पुलिस ने पूर्वी खासी हिल्स जिले में वेई सावडोंग झरने के पास अपराध स्थल का सीन रिक्रिएट कराया। इसी जगह पर 23 मई को राजा की हत्या की गई थी। शव को एक खाई में फेंक दिया गया था, जिसे पुलिस ने दो जून को बरामद किया। पुलिस के अनुसार, जिस दौरान राजा की हत्या हुई, सोनम रघुवंशी वहां पर मौजूद थी। वहीं, उसके कथित प्रेमी राज कुशवाह के तीन दोस्त (आकाश राजपूत, विशाल सिंह और आनंद कुर्मी) भी वहां उपस्थित रहे। पुलिस ने बताया कि राजा पर तीन वार किए गए, जिसमें पहला विशाल ने, दूसरा आनंद ने और आखिरी वार आकाश ने हमला किया। मंगलवार को राजा रघुवंशी हत्याकांड में क्राइम सीन को रिक्रिएट किया गया। इसको लेकर एसपी ईस्ट खासी हिल्स विवेक सियेम ने कहा कि हमने क्राइम सीन रिक्रिट किया कि आरोपियों ने यह कैसे किया होगा। हमने पार्किंग स्थल से शुरुआत की, जहां उन्होंने अपने स्कूटी वाहन रखी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हम व्यूपॉइंट पर गए और पता लगाया कि हत्या से ठीक पहले कौन कहां खड़ा था। तीन वार किए गए - पहला विशाल ने, दूसरा आनंद ने और आखिरी वार आकाश ने हमला किया। हमने पाया है कि एक और चाकू अभी भी बरामद किया जाना है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चाकू कैसे फेंका। एसडीआरएफ दूसरा हथियार बरामद करने की कोशिश कर रहा है। हमने पता लगाया है कि राजा के मोबाइल फोन का क्या हुआ। इसे सोनम ने और फिर विशाल ने क्षतिग्रस्त किया। यह पूरी घटना हुई रिक्रिएशन बहुत सफल रहा। हमें बहुत स्पष्ट तस्वीर मिल गई है।

शलकोसा पुलिस चौकी से अपराधी फरार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के चापर थानांतर्गत शालकोसा पुलिस चौकी से एक अपराधी के फरार होने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। शालकोसा पुलिस चौकी में बंद एक अपराधी बीते सोमवार की शाम को फरार हो गया। बताया गया है कि मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों की लापरवाही के कारण अपराधी भागने में सफल हुआ। इस बीच पुलिस चौकी से फरार अपराधी को पकड़ने के लिए शालकोसा पुलिस का जोरदार अभियान चल रहा है। चोरी के मामले में अपराधी को गिरफ्तार किया गया था। भागे हुए अपराधी की पहचान दुधनाथ निवासी सफीयर रहमान के रूप में हुई है। बताया गया है कि चोर पुलिस चौकी से भागकर रेणी बिल (झील) में छिप गया। इधर पुलिस रेणी बिल में तलाश कर रही है।

भाषा के मामले में कोई देश भारत जितना समृद्ध नहीं : उपराष्ट्रपति

पुडुचेरी (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि भारत दुनिया का महत्वाकांक्षी राष्ट्र है और वह भाषा के मुद्दे पर बंटवारा बर्दाश्त नहीं कर सकता। उपराष्ट्रपति पुडुचेरी में पांडिचेरी विश्वविद्यालय में बोल रहे थे। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना इस बात पर दुख जताया कि भाषाओं का विरोध हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के परिणामस्वरूप भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है, हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं। भाषा के मामले में दुनिया का कोई भी देश भारत जितना समृद्ध नहीं है। संस्कृत का वैश्विक महत्व है और इसके साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, मराठी, पाली, प्राकृत, बंगाली और असमिया सहित 11 शास्त्रीय भाषाएं हैं। उन्होंने कहा कि संसद में सदस्यों को 22 भाषाओं में चर्चा की अनुमति है। हमारी भाषाएं समावेशिता का संकेत देती हैं। सनातन महान उद्देश्य के लिए एकजुट होना सिखाता है।

जातिगत जनगणना का अधिकार केवल केंद्र के पास : भाजपा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि राज्य सरकारें जातिगत जनगणना नहीं करा सकतीं, केवल सर्वे करा सकती हैं। कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना केंद्र स्तर पर ही की जाएगी। दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्यसभा सदस्य और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इस मुद्दे पर आज कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह बार-बार जानबूझकर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनता से जुड़ी सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जानकारी एकत्र कराएगी। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना में हो रहे सर्वे को जनगणना बताकर जनता को गुमराह कर रही है। सच्चाई यह है कि राज्य केवल सर्वेक्षण कर सकते हैं, जनगणना का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। उन्होंने सवाल पूछा कि कांग्रेस की तेलंगाना सरकार में कितने ओबीसी मंत्री हैं। वहीं, आज देश में सबसे अधिक ओबीसी मंत्री केंद्र सरकार में हैं। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर परिवारवाद और केवल सत्ता की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए का विचार है— *सबका विश्वास, सबका प्रयास* है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन का उद्देश्य केवल जातियों में विभाजन पैदा करना है। उल्लेखनीय है कि भारत में 1931 में ब्रिटिश शासन के दौरान अंतिम जातिगत जनगणना हुई थी। स्वतंत्र भारत में 1951 के बाद जातिगत आंकड़े नहीं लिए गए। 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत सर्वेक्षण हुआ, लेकिन उसे औपचारिक जनगणना के रूप में मान्यता नहीं मिली थी। कल केंद्र सरकार ने जातिगत गणना के साथ जनगणना कराए जाने की घोषणा की।

ओएनजीसी *ब्लोआउट* से प्रभावित 350 परिवारों को 25-25 हजार रुपए देगी राज्य सरकार

शिवसागर (हिंस)। असम के शिवसागर जिले में ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) के क्रूड ऑयल वेल में 12 जून को हुए ब्लोआउट के बाद प्रभावित हुए लगभग 350 परिवारों को राज्य सरकार ने 25-25 हजार रुपए की तात्कालिक राहत देने की घोषणा की है। फिलहाल प्रभावित सभी परिवारों को अस्थायी शिविरों में स्थानांतरित कर सुरक्षित किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि शिविरों में लगभग 350 परिवार रह रहे हैं और वे उससे चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि मुआवजा बाद में तय होगा, लेकिन फिलहाल 25-25 हजार रुपए की सहायता मुख्यमंत्री राहत कोष से उन्हें दी जा रही है। इस बीच दिल्ली में केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस मामले को लेकर शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक की है। इस पर मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि वे गुवाहाटी पंहुचने के बाद मंत्री से वीडियो कांफ्रेंस करेंगे। उन्होंने बताया कि यह संकट केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयास से हल किया जा रहा है। राज्य के मुख्य सचिव ने भी केंद्रीय पेट्रोलियम सचिव से बात कर हरसंभव सहयोग का आश्वासन लिया है। स्थानीय प्रशासन की ओर से बताया गया है कि क्षेत्र में वायु प्रदूषण नियंत्रण में है और असम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड निगरानी कर रहा है। ओएनजीसी अधिकारियों ने बताया कि अमेरिका से इससे संबंधित विशेषज्ञ को बुलाया गया है, ताकि गैस रिसाव को जल्द नियंत्रित किया जा सके। ओएनजीसी ने तकनीकी जानकारी देते हुए बताया कि घटना वेल की *लॉगिंग परफोरेशन* प्रक्रिया के दौरान हुई, जब अचानक गैस अनियंत्रित रूप से बाहर निकलने लगी।

आठ करोड के याबा टैबलेट समेत एक गिरफ्तार

श्रीभूमि (हिंस)। श्रीभूमि जिले के सदरसी इलाके से पुलिस ने भारी मात्रा में प्रतिबंधित याबा टैबलेट समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए मंगलवार देर शाम को दी। मुख्यमंत्री द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार श्रीभूमि पुलिस ने सदरसी इलाके में अभियान चलाकर 40 हजार याबा टैबलेट समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया। जब्त की गई याबा टैबलेट की अनुमानित कीमत 8 करोड रुपए आंकी गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। उधर गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने चोरी के एक वाहन को बरामद किया है। हालांकि, इस संबंध में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पायी है। वशिष्ठ पुलिस ने आज बताया है कि मेघालय के री-भोई जिले के पिलिंग काटा में तलाशी अभियान चलाया गया।

एसएसबी की 24वीं बटालियन ने गांजा के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रंगिया की 24वीं बटालियन की सीमा चौकी गुआबारी की टीम द्वारा पुख्ता सूचना के आधार पर चलाए गये अभियान के दौरान गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। एसएसबी सूत्रों ने आज बताया है कि तामुलपुर जिला के गांधीबारी पुलिस चौकी की टीम के

साथ मिलकर एसएसबी की 24वीं बटालियन ने बीते सोमवार को भारत-भूटान सीमा पर एक संयुक्त तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान सीमा स्तंभ संख्या 249 से लगभग 13 किमी दूर भारतीय सीमा में तामलुपर जिला के तलिबारी गांव से भारी मात्रा में गांजा एवं एक साइकिल के साथ एक व्यक्ति को हिरासत में लिया। व्यक्ति की पहचान सुनिल बसुमतारी (55) के रूप में की गई है। उक्त व्यक्ति को पूछताछ के बाद एसएसबी ने गांजा एवं साइकिल के साथ गांधीबाड़ी पुलिस चौकी को सुपुर्द कर दियाा। एसएसबी की 24वीं बटालियन भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा में अपने कर्तव्य के निर्वाहन हेतु निरंतर इस प्रकार के अभियान चला रही है एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से उनके साथ निरंतर बैठक कर उन्हें सीमा क्षेत्र में होने वाली किसी भी प्रकार की अपराधिक गतिविधि या अवैध तस्करी के देखे जाने पर इसकी सूचना नजदीकी एसएसबी सीमा चौकी या बटालियन मुख्यालय को सूचित करने हेतु प्रोत्साहित कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

ईरान-इजरायल युद्ध में ...

संख्या 18 से 20 के बीच है, जबकि 390 से ज्यादा लोग घायल हैं, जबकि आपातकालीन दल कई शहरों में मलबे की तलाश जारी रखे हुए हैं। हवाई हमलों के बाद एक टेलीविजन संबोधन में, इजराइली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि इजराइल ने ईरान से अस्तित्व के लिए खतरा कहे जाने वाले खतरे का मुकाबला करने के उद्देश्य से एक *लक्षित सैन्य अभियान* शुरू किया है।

ईरान ने मोसाद ...

कहा गया है कि मिसाइल हमलों में मोसाद का मुख्यालय और यूनिट 8200 के कुछ गुप्त बैकअप ठिकानों को भी तबाह कर दिया गया। यूनिट 8200 इजरायल की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और खुफिया इकाई है जो साइबर युद्ध और डेटा इंटेलिजेंस में विशेषज्ञ मानी जाती है। इजरायली रक्षा प्रतिष्ठान की ओर से इन हमलों को बस स्टैंड या पार्किंग क्षेत्र को हुए नुकसान के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि यह जानकारी भ्रामक है और असल में हमले सीधे रणनीतिक और खुफिया ठिकानों को लक्ष्य बनाकर किए गए थे।

राहुल गांधी ही सोच ...

पीछे किसी भी हिंदू संगठन, भाजपा या आरएसएस का हाथ होने की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया। मुख्यमंत्री ने बताया कि ईद के तुरंत बाद जानवर के सभी हिस्से बरामद कर लिए गए और स्थानीय लोगों ने भी माना कि यह काम कुछ गुमराह युवकों का था। उन्होंने कहा कि कोई सच्चा हिंदू या भाजपा-आरएसएस का कार्यकर्ता ऐसा कर ही नहीं सकता। ये हमारी आस्था के खिलाफ है। स्थानीय निवासियों ने भी स्वीकार किया कि यह हरकत इलाके के कुछ गुमराह युवाओं की थी। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी का ये पैटर्न बन गया है कि जो समाज को बांटते हैं, वो उनके पक्ष में खड़े होते हैं। इससे साम्प्रदायिक एकता को नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा ऐसे तत्वों को बचाने का काम करती है।

कछार में बांग्लादेश ...

संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू करते हुए मंगलवार को तत्काल प्रभाव से निषेधाज्ञा लागू करने का आदेश जारी किया। जनहित में जारी इस निर्देश का उद्देश्य कानून एवं व्यवस्था के लिए संभावित खतरों तथा सीमावर्ती क्षेत्रों से वस्तुओं एवं मवेशियों के अनधिकृत परिवहन पर रोक लगाना है। कछार के पुलिस अधीक्षक नुमल महंत ने बताया कि सीमा पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है तथा क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीएसएफ के साथ समन्वय में नियमित गश्त की जा रही है। अधिसूचना के अनुसार, आदेश में जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक किलोमीटर के दायरे में सूर्यास्त और सूर्योदय के बीच व्यक्तियों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसी प्रकार के प्रतिबंध जिले के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत भारतीय क्षेत्र में सूरमा नदी और उसके ऊंचे किनारों पर आवागमन पर भी लागू होते हैं। इसके अतिरिक्त, अब रात के समय सूरमा नदी में मछली पकड़ना या नौका विहार करना प्रतिबंधित कर दिया गया है, जब तक कि स्थानीय निवासी कटिगोराह के सर्किल अधिकारी से पूर्व अनुमति प्राप्त न कर लें। ऐसी मंजूरी को पट्टाधारक के साथ समन्वयित किया जाना चाहिए तथा इसकी सूचना जिला मजिस्ट्रेट और धोलचेरा में तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 170वीं बटालियन के कमांडेंट दोनों को दी जानी चाहिए। आदेश में सीमा के पांच किलोमीटर के क्षेत्र में प्रतिबंधित घंटों के दौरान चावल, गेहूं, चीनी, खाद्य तेल, मिट्टी का तेल और नमक सहित आवश्यक वस्तुओं के परिवहन पर भी रोक लगाई गई है। हालांकि, आपूर्ति अधिकारियों के साथ समन्वय में उचित सत्यापन के बाद कटिगोरा के सर्किल अधिकारी द्वारा सशर्त छूट दी जा सकती है। सभी स्वीकृतियों को एक साथ डीएम कार्यालय और बीएसएफ कमांडेंट को सूचित किया जाना चाहिए। इस आदेश में सीमावर्ती क्षेत्रों में सरकारी ड्यूटी करने वाले राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों को छूट दी गई है।

असम-मेघालय में भारी ...

उपाय शुरू कर दिए गए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बयान में विशेष रूप से निचले इलाकों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों से सतर्क रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने और दवाइयों व मोमबत्तियों जैसी आवश्यक वस्तुओं का भंडारण करने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ जिलों के अलग-अलग हिस्सों में बहुत भारी से अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है, जिससे जलभराव, यातायात बाधा और स्थानीय स्तर पर भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। प्रशासन को आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली को हाई अलर्ट पर रखने और संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। पहचान किए गए भूस्खलन संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को राहत शिविरों या सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी रूप से स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है। लोगों से अपील की गई है कि वे आधिकारिक चेतावनियों का पालन करें, तेज बारिश के दौरान बाहर न निकलें और स्थानीय प्रशासन द्वारा जारी मौसम अपडेट पर ध्यान दें। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आम जनता के लिए समय-समय पर जानकारी जारी करता रहेगा।

राहुल गांधी के जन्मदिन पर यूथ कांग्रेस करेगी रोजगार मेले का आयोजन, कंपनी लेंगी *वॉक इन इंटरव्यू*

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस, 19 जून को राहुल गांधी के जन्मदिन पर दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में रोजगार मेले का आयोजन करेगी। इस रोजगार मेले में 100 से ज्यादा कंपनियों के आने का दावा किया गया है। बेरोजगारों को *वॉक इन इंटरव्यू* के जरिए जॉब दिलाने का प्रयास होगा। रोजगार मेले के लिए 10 हजार से ज्यादा युवाओं ने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराया है। इसके साथ ही ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन भी 8-10 हजार हो चुका है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब ने कहा कि जितना हमारी यूथ कांग्रेस की कैपिसिटी है, अपने हिस्से अनुसार हमने 100 से ज्यादा कंपनियों को बुलाया है। वे रोजगार मेले में आएंगी और वॉक इन इंटरव्यू करेंगी। मंगलवार को एक प्रेसवार्ता में

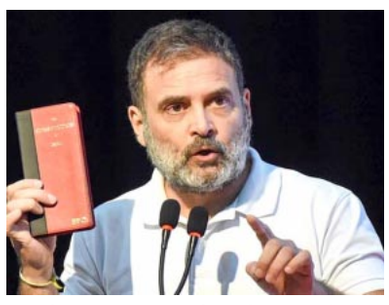

चिब ने कहा कि यूथ कांग्रेस की यह दूसरी पहल है। इससे पहले राजस्थान में भी ऐसा रोजगार मेला आयोजित किया जा चुका है। भाजपा सरकार ने कहा था कि दो करोड़ रोजगार हर साल देगी। युवाओं को रोजगार तो मिला नहीं, अब सरकारी आंकड़े यह बता रहे हैं कि पिछले 40-50 सालों में सबसे ज्यादा बेरोजगारी अगर भारत में है तो वह अब है। राहुल गांधी, लगातार युवाओं को रोजगार देने का मुद्दा उठा रहे हैं। 19 जून को नेता विपक्ष राहुल गांधी का जन्मदिन है। यूथ कांग्रेस ने एक कोशिश शुरू की है कि 19 तारीख को दिल्ली में ताल कटोरा स्टेडियम में रोजगार मेला आयोजित करेंगे। उम्मीद है कि हजारों की तादाद में जो बेरोजगार हैं, वे रोजगार मेले में आएंगे। उस दिन हजारों युवाओं की नौकरी लगेगी। उन्हें रोजगार मिलेगा। कोई भी स्टूडेंट, कोई भी युवा, चाहे वो 12वीं क्लास तक पढ़ा है या पीएचडी की है, उन सबके लिए हर एक अलग-अलग प्रकार की कंपनी आएंगी।

No.KED/NIT-66/2024-25/4041, *Dtd.16/06/2025*

DETAILS TENDER NOTICE

Sealed tender in prescribed form affixing non-refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight & paise twenty file) only subsequently to be drawn up in printed "F-2" form with validity period of "90 (Ninety)" days from the date of receipt of tenders are invited from the Registered Class I (A,B,C) & Class-II P.W.D. Electrical Contractor under P.W.D, Guwahati Electrical Circle, Guwahati-1 and the Registered Class III P.W.D. Kokrajhar Electrical Division of **2024-25** and having valid Electrical Contractor licence for the following electrical works and will be received in the Office of the undersigned up to 2.00 P.M of 21/06/2025 and will he opened at 3.00 P.M. of the same date. The Contractors or their authorized agents may be present at the time of opening tender.

Name of Work	Approx. Estimated Value	Time of Completion	Earnest Money
Providing 30 KVA 3 Phase D.G. set at multistoried MACT Court building, Goalpara	Rs. 9,41,267.00	60 (Sixty) Days	General 2% (Two) P.C. of Tender value (1 % of Tender value" in case of OBC/SC/ST)

Tender forms can be had from the Office of the undersigned and Executive Engineer, P.W.D. Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar during working hours and up to 2.00 P.M. 20/06/2025 on application mentioned registration No. etc. on payment of Rs. 500.00 (Rupees Five hundred) only per set by Indian crossed postal order payable to the Executive Engineer, P.W.D. Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar.

Sd/-
Executive Engineer, P.W.D.
Kokrajhar Electrical Division, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2025-26/909

अल्पसंख्यक समुदाय के सैकड़ों पुरुष-महिलाएं भाजपा में शामिल

कांग्रेस, एआईयूडीएफ, बीपीएफ, यूपीपीएल छोड़कर भाजपा का दामन थामा

कोकराझाड़ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर्वतझोड़ा मंडल की ओर से मंगलवार को एक भव्य सदस्यता ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। पर्वतझोड़ा के काजिगांव सामूहिक भवन में आयोजित इस समारोह के दौरान अल्पसंख्यक समुदाय के सैंकड़ों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के राष्ट्रीय परिषद सदस्य एवं असम सरकार के मैदानी जनजाति विकास निगम के उपाध्यक्ष बनेन्द्र कुमार मुसाहारी सहित जिले के कई वरिष्ठ नेता कार्यक्रम में शामिल हुए। सदस्यता ग्रहण समारोह के दौरान 300 से अधिक अल्पसंख्यक समुदाय के पुरुष और महिलाओं के साथ-साथ कांग्रेस, एआईयूडीएफ, बीपीएफ और यूपीपीएल के कई नेता भाजपा में शामिल हुए। वरिष्ठ भाजपा के नेताओं ने सभी नए सदस्यों का पार्टी में स्वागत किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अपने संबोधन में बनेन्द्र कुमार मुसाहारी ने प्रमोद बोड़ो सरकार को लगभग दरकिनार करते हुए कहा कि आज पर्वतझोड़ा में जो भी विकास दिख रहा है, वह सब असम सरकार की देन है। वहीं, बीटीआर में यूपीपीएल और बीपीएफ के साथ मिलकर सरकार बनाने के भाजपा के प्रयास पर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा *अब बीटीआर में शांति है, हम नहीं चाहते कि फिर से अशांति फैले। इसलिए हम सभी को एक साथ लेकर चलना चाहते हैं।* हग्रामा महिलारी और मंत्री जयंतमल्ल बरुवा की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यह बात बांसबाड़ी के विरोध-प्रदर्शन से जुड़ी है। उन्होंने दावा किया कि इस बार बीटीआर में भाजपा की ही सरकार बनेगी।

मुख्यमंत्री की तस्वीर लगाकर पाकिस्तान जिंदाबाद लिखने वाला फर्जी फेसबुक यूजर गिरफ्तार

हाजो (हिंस)। हाजो पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। लंबे समय से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर भारत विरोधी टिप्पणियां करने वाले आरोपी शफीकुल अली को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी फेसबुक पर असम के मुख्यमंत्री की तस्वीर लगाकर *पाकिस्तान जिंदाबाद* और *गौमांस जिंदाबाद* जैसे भड़काऊ पोस्ट डाल रहा था। हाल ही में उसने ऐसा ही पोस्ट कर हाजो पुलिस को खुली चुनौती दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए हाजो थाना प्रभारी रूपम हजारिका के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई की और केवल 24 घंटे के भीतर गुवाहाटी के नूनमाटी इलाके से शफीकुल अली को धर दबोचा। गिरफ्तार किया गया युवक मूकालमुवा थाना क्षेत्र के मुइपेनिर गांव का रहने वाला है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, वह पहले भी हाजो के एक युवक के नाम से फर्जी फेसबुक अकाउंट बनाकर असामाजिक पोस्ट कर चुका था और तब से फरार चल रहा था।

तामुलपुर में चाय श्रमिकों को आर्थिक सहायता के लिए बैठक आयोजित

प्रत्येक श्रमिक को मिलेगी 5 हजार रुपए की सहायता

तामुलपुर (हिंस)। *मुख्यमंत्री की एक कली दो पत्ते* योजना के संदर्भ में आज तामुलपुर जिले के आयुक्त कार्यालय के सभागार में आयुक्त पंकज चक्रवर्ती की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में तामुलपुर जिले के दो चाय बागान- मेनका और नाग्रीजुली के श्रमिकों के बीच असम सरकार की प्रमुख योजना *मुख्यमंत्री की एक कली दो पत्ते* के सफल क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा के अनुसार, प्रथम चरण में दोनों चाय बागानों के श्रमिकों के बीच मुख्य रूप से तीन बिंदुओं पर सत्यापन किया जाएगा। क्या श्रमिक असम का स्थायी निवासी है, क्या वह संबंधित बागान का वास्तविक श्रमिक है और क्या उसके बैंक खाते से आधार लिंक किया गया है या नहीं। आयुक्त ने निर्देश दिया कि यह कार्य शीघ्रता से पूरा किया जाए। सत्यापन के उपरांत प्रत्येक पात्र श्रमिक को एक फॉर्म प्रदान किया जाएगा, जिसे भरकर ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा। वास्तविक लाभार्थियों को 5 हजार रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि तामुलपुर जिले के मेनका और नाग्रीजुली चाय बागानों में 2,100 से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं।

असम-अरुणाचल सीमा विवाद सुलझाने के लिए क्षेत्रीय समिति की बैठक

धेमाजी (हिंस)। असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच लंबे समय से चले आ रहे अंतर-राज्यीय सीमा विवाद को सुलझाने के लिए मंगलवार को गोगामुख स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर), दिरपाई चापोरी में क्षेत्रीय समिति की 5वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता असम सरकार के कैबिनेट मंत्री जयंतमल्ल बरुवा और अरुणाचल प्रदेश सरकार के मंत्री केंटो जिनी ने संयुक्त रूप से की। धेमाजी जिले (असम) तथा लोअर सियांग और ईस्ट सियांग जिलों (अरुणाचल प्रदेश) से जुड़े सीमा विवाद के समाधान हेतु दोनों राज्यों की यह बैठक केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में चल रही क्रमबद्ध और सतत वार्ताओं का हिस्सा रही। अब तक की वार्ताओं में कई विवादित बिंदुओं पर सहमति बनी है और आज की बैठक भी सकारात्मक माहौल में संपन्न हुई। पूर्व की बैठकों में अधिकांश विवादित गांवों पर सहमति बन चुकी है। आज की बैठक में शेष बचे कुछ गांवों पर भी आम राय बनी, जिससे कई संवेदनशील विवाद समाप्त हो गए। जिन गांवों में अभी भी मतभेद बाकी हैं, वहां जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति में संयुक्त स्थलीय निरीक्षण करने का निर्णय लिया गया है। इन निरीक्षणों के आधार पर दो माह के भीतर एक समग्र रिपोर्ट तैयार कर समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाया जाएगा। बैठक में असम सरकार के कैबिनेट मंत्री डॉ. रनोज पेगु, सांसद प्रदान बरुवा, विधायक भुवन पेगू, धेमाजी जिला आयुक्त व क्षेत्रीय समिति के सदस्य सचिव राहुल सुरेश जाविर तथा असम क्षेत्रीय समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। अरुणाचल प्रदेश की ओर से विधायक तोजिर काडु, उपाध्यक्ष कार्डो न्यिग्योर, जिला उपायुक्त व समिति के सदस्य सचिव रुज्जुम राक्षप समेत वरिष्ठ अधिकारी व समिति के सदस्य बैठक में शामिल हुए।

मंत्री पीयूष ने किए दिव्यांगों को सहायक उपकरण वितरित

गुवाहाटी (हिंस)। जनता भवन के पुराने सीएम ब्लॉक सभागार में मंगलवार को सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्री पीयूष हजारिका ने दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए। इस अवसर पर ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड और नशा मुक्ति के क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों के साथ बैठकें भी हुईं। मंत्री हजारिका ने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजनों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से उन्हें चलने-फिरने और दैनिक कार्यों में मदद करने वाले उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। आज के कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र, स्मार्ट केन आदि प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि समाज में दिव्यांगजनों की समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सभी को समर्पित होकर कार्य करना होगा। मंत्री ने ओबीसी छात्रों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप में लाभार्थियों की संख्या में बड़ा अंतर है। कई छात्र आवेदन नहीं कर पा रहे हैं क्योंकि उन्हें ऑनलाइन प्रक्रिया में कठिनाई होती है। उन्होंने स्कॉलरशिप के प्रति जागरूकता फैलाने और ज्यादा से ज्यादा छात्रों को लाभ दिलाने के लिए अधिकारियों को विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने हर जिले के समन्वयकों को ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति कवरेज में 30 फीसदी वृद्धि का लक्ष्य तय करने को कहा और सभी संबंधित भागीदारों से ईमानदारी से काम करने की अपील की। इसके बाद मंत्री हजारिका ने नशा और मादक द्रव्यों के दुरुपयोग के खिलाफ काम कर रहे संगठनों के साथ भी बैठक की। उन्होंने गुवाहाटी में मौजूद पुनर्वास केंद्रों की कार्यप्रणाली की जांच के लिए गुवाहाटी नगर निगम, महानगर विकास प्राधिकरण और स्वास्थ्य विभाग के साथ संयुक्त बैठक बुलाने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि गुवाहाटी के 100 से अधिक पुनर्वास केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जाएगा। यदि किसी केंद्र में इलाजरत व्यक्ति की असामान्य मृत्यु होती है, तो उस केंद्र को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा और संबंधित मालिक को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। मंत्री ने ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठक कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि सरकार ट्रांसजेंडरों को पहचान पत्र प्रदान करने सहित उनकी सभी समस्याओं को गंभीरता से हल करने की दिशा में काम कर रही है। इस बैठक में विभाग के आयुक्त सचिव पल्लव गोपाल झा, निदेशक भास्कर ज्योति मांता, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण निदेशक डॉ. कुलश्री नाथ समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

बरपेटा के बरही बाजार में चला बेदखली अभियान

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के बरही बाजार में प्रशासन द्वारा चलाए गए बेदखली अभियान को लेकर स्थानीय व्यापारियों में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। जानकारी के अनुसार, चेंगा राजस्व चक्र अधिकारी के नेतृत्व में बरही बाजार की कुछ दुकानों में बेदखली अभियान चलाया गया। व्यापारियों का आरोप है कि वे नियमित रूप से टैक्स चुका रहे हैं। बावजूद इसके प्रशासन ने बिना पूर्व सूचना के कार्रवाई की। इसको लेकर व्यापारियों में भारी असंतोष देखा जा रहा है। उधर, चेंगा विधानसभा क्षेत्र के एआईयूडीएफ विधायक आश्राफुल हुसैन ने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े कुछ दलालों को *हप्ता* न देने के कारण ही यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने चेंगा के राजस्व अधिकारी को *गुंडा प्रवृत्ति की महिला* तक कह डाला और बिना किसी नोटिस के बेदखली अभियान चलाने का आरोप लगाया।

मेधावी छात्राओं को लायंस उमंग ने दी साइकिल

गुवाहाटी। महिलाओं को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से लायंस क्लब गुवाहाटी उमंग की ओर से शुरू की गई परियोजना बिना मूल्या शिक्षा के तहत इस वर्ष मैट्रिक की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रों के बीच साइकिल का वितरण किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी सुनीता पारीक ने बताया कि अध्यक्ष पायल चड्ढा के नेतृत्व में बिना मूल्य शिक्षा हासिल कर प्रथम ए चार छात्रों को साइकिल उपहार स्वरूप प्रदान की गई। इनमें जुम्मा विश्वास, मुमताज बेगम, लूना फुकन व हर्षित सिन्हा शामिल है। अध्यक्ष पायल चड्ढा ने बताया कि इन सभी छात्राओं को जिलापाल सीमा गोयनका ने अपने हाथों से साइकिल प्रदान की। श्रीमती चड्ढा ने बताया कि यह सभी छात्राएं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से ताल्लुक रखती है। यह सभी छात्राएं क्लब की बिना मूल्य शिक्षा परियोजना के अंतर्गत शिक्षा ग्रहण कर प्रथम स्थान से उत्तीर्ण हुई है। इस दौरान सभी छात्रों का अभिनंदन भी किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष पायल चड्ढा, सचिव स्वाति चौधरी, कोषाध्यक्ष बबीता मोर, निवर्तमान अध्यक्ष कंचन पोद्दार आदि सदस्याए मौजूद थी।

सम्मेलन की नगांव शाखा ने मनाया रूप कुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल का जन्मदिवस

नगांव (निसं)। मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा ने साहित्य सभा नगांव जिला समिति के साथ संयुक्त रूप से मंगलवार को रूप कुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल की जन्म जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा परं माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के तहत नगांव ढाका पट्टी चौराहे पर स्थित रूप कुंवर ज्योति प्रसाद अग्रवाल की प्रतिमा को फूलों से सजाया गया एवं उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई एवं दीप प्रज्वलित किए गए। इस अवसर पर सम्मेलन की नगांव शाखा के नवनियुक्त प्रमोद कोठारी, निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया, पूर्व अध्यक्ष पवन गाड़ोदिया, अनिल शर्मा, उपाध्यक्ष जगदीश धुत, सचिव पवन किल्ला, कोषाध्यक्ष बाल किशन दादलीका, संयुक्त सचिव अरुण नागरका, सांगठनिक मंत्री दिलीप अग्रवाल, असम साहित्य सभा के उपाध्यक्ष पदुम राजखोवा, साहित्य सभा, नगांव के अध्यक्ष शरद बोरकोटोकी, सचिव राजीव हजारिका, कोषाध्यक्ष अभिजीत शर्मा, पार्षद मुक्ता जायसवाल, प्रेस क्लब के अध्यक्ष जितेन बरकोटोकी, जाने माने कवि महेश चंद्र दास, अग्रवाल सभा के अध्यक्ष राधा रमण खाटूवाला, तेरापंथ सभा के अध्यक्ष विनोद बोथरा, श्याम सेवा समिति के सचिव प्रदीप जाजोदिया, गोपाल गौशाला के कोषाध्यक्ष सुरेंद्र बंका, नगांव राजस्थानी युवक संघ के सचिव अजीत कोठारी, जय अंबे सत्संग समिति के अध्यक्ष मुकेश पोद्दार, सीताराम बुधिया, शंकर लाल शोभासरिया, महेश बुधिया, दिनेश अग्रवाल, रंजीत दुग्गड़, संजय अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, विवेक बोरड, रजनीश जैन, सुनिल शोभासरिया, सुरेश शर्मा, विवेक तोदी, नितिन मुंदड़ा, सम्मेलन के प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष संजय गाड़ोदिया के साथ समाज के कई गणमान्य व्यक्ति एवं साहित्य सभा के कई पदाधिकारी एवं सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम संयोजक निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप शोभासरिया का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष प्रमोद कोठारी ने कार्यक्रम की सफलता उपरांत सभी सदस्यों एवं समाज बंधुओं को धन्यवाद दिया।

नाबालिग बेटी से बलात्कार के आरोप में पिता गिरफ्तार

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ पुलिस ने ऐनल अली नामक एक व्यक्ति को अपनी ही नाबालिग बेटी से कई वर्षों तक लगातार बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 65(1) और पोक्सो अधिनियम की धारा 6 के तहत की गई है, जो बच्चों पर गंभीर यौन उत्पीड़न से संबंधित है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने लगभग नौ वर्ष पहले अपनी पत्नी की मृत्यु के बाद से ही यह अपराध करना शुरू कर दिया था। यह अपराध कई वर्षों तक चलता रहा और कथित तौर पर हाल ही में हुए खुलासे के बाद पुलिस कार्रवाई तक इसे छिपाया गया। एनल अली को गिरफ्तारी के बाद अदालत में पेश किया गया और उसके बाद से उसे जेल भेज दिया गया है। इस मामले में एक अन्य आरोपी जॉयनल अली फिलहाल फरार है। पुलिस ने उसे जल्द से जल्द पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

रूपशी एयरपोर्ट से चोरी हुई 21 बैटरियां बरामद, एक गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिले के गौरीपुर में चलाए गए संयुक्त अभियान में रूपशी एयरपोर्ट से चोरी हुई 21 बैटरियां बरामद की गईं। चोरी की बैटरियों के साथ अजीबर अली शेख नामक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है। एक गुप्त सूचना के आधार पर कोकराझाड़ के रूपशी चौकी की पुलिस, एयरपोर्ट अधिकारियों और गौरीपुर थाना पुलिस ने मंगलवार को गौरीपुर में स्थित अजीबर अली शेख की दुकान *न्यू बैटरी हाउस* पर छापा मारा और उसकी दुकान से एयरपोर्ट से चोरी हुई 21 बैटरियां बरामद किया। बरामद बैटरियों की पहचान *अमरोन क्वांटा 42एएच* और *अमरोन क्वांटा 12वी* इकाइयों के रूप में की गई है। ये बैटरियां हाल ही में एयरपोर्ट से गायब हो गई थीं। पुलिस ने दुकान के मालिक अजीबर अली शेख को बैटरी चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोकराझाड़ जिले के काजीगांव पुलिस थाना ले जाया गया है।

जेसीआई बरपेटारोड का *बिजनेस की कचौरी* थीम पर सेमिनार

बरपेटा रोड। जेसीआई बरपेटारोड द्वारा बिग बाइट्स बैंक्वेट हॉल में एक विशिष्ट और प्रेरणादायक सेमिनार *बिजनेस की कचौरी* का सफल आयोजन किया गया। इस विशेष प्रशिक्षण सत्र में लगभग 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें उभरते उद्यमी, व्यवसाय के इच्छुक युवा और गैर-जैसी मेहमान एवं सदस्य शामिल रहे। इस कार्यक्रम का संचालन किया राष्ट्रीय प्रशिक्षक, लेखक और जोन 25 के फाउंडर जोन प्रेसिडेंट-जेसी सेनेटर मनीष खाटुवाला ने। मनीष जी की ऊर्जावान शैली, हास्य से भरपूर प्रस्तुतियां और व्यावहारिक अनुभवों से भरपूर इस सत्र ने उपस्थितजनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। *बिजनेस की कचौरी* थीम के माध्यम से उन्होंने आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में व्यवसाय में सफलता पाने के लिए आवश्यक सोच, आदतों और नवाचार के महत्व को बेहद रोचक तरीके से समझाया। इस सत्र में व्यापारिक सफलता के तीन महत्वपूर्ण स्तंभों -जुनून, धैर्य और योजना -पर गहन चर्चा हुई। उनकी कहानियां और वास्तविक जीवन के उदाहरणों ने प्रतिभागियों को न केवल प्रेरित किया, बल्कि उन्हें आत्मनिरीक्षण का अवसर भी दिया। कार्यक्रम की शुरुआत जेसीआई बरपेटारोड की अध्यक्षा जेसी राधिका मोर के स्वागत भाषण से हुई, जिसमें उन्होंने सभी उपस्थितजनों का हृदय से स्वागत करते हुए अध्याय की शिक्षा एवं नेतृत्व के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। कोषाध्यक्ष जेसी आशा सराफ ने प्रशिक्षक मनीष खाटुवाला का भावपूर्ण स्वागत किया और सेमिनार के उद्देश्य को सरल और प्रभावी शब्दों में प्रस्तुत किया। इस प्रशिक्षण सत्र को सफल बनाने में उपाध्यक्ष (ट्रेनिंग) जेसी पिंकी सराफ एवं उपाध्यक्ष (ग्रोथ एंड डेवलपमेंट) जेसी गुंजन शर्मा का विशेष सहयोग रहा, जिन्होंने आयोजन की रूपरेखा एवं समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सेमिनार के समापन पर सचिव जेसी आयुषी केडिया ने सभी अतिथियों, प्रशिक्षक मनीष जी और आयोजन समिति का धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रशिक्षण के उपरांत, जेसीआई ओरिएंटेशन का आयोजन भी किया गया, जिसमें मेहमानों को जेसीआई के मूल्यों, उद्देश्यों और वैश्विक प्रभाव के बारे में जानकारी दी गई। दिन का समापन एक शानदार नेटवर्किंग लंच के साथ हुआ, जहां सभी ने आपस में संवाद और संपर्क बढ़ाए। *बिजनेस की कचौरी* सेमिनार न केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम था, बल्कि यह सीख, संवाद और सृजनात्मकता से भरा एक अविस्मरणीय अनुभव बना।

कोकराझाड़ : एसएसबी, रानीगुली का स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित

कोकराझाड़ (विभास)। छठी वाहिनी रानीगुली के कमांडेट रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में वाहिनी अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य रक्तदान के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और कार्मिकों को स्वेच्छा से रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित करना था। यह कार्यक्रम डॉ. पंकज दास, एमबीबीएस, एमडी सिविल अस्पताल कोकराझाड़ की टीम के सहयोग द्वारा वाहिनी अस्पताल में आयोजित किया गया, जहां वाहिनी के बलकर्मियों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस रक्तदान शिविर में वाहिनी के बालकर्मियों द्वारा 38 यूनिट रक्तदान किया गया। डॉ. ने बताया कि लोगों द्वारा रक्तदान करने से दिल की सेहत में सुधार, दिल की बीमारियों और स्ट्रोक के खतरे को कम किया जा सकता है एवं रक्तदान करने से वजन नियंत्रण करने में भी मदद मिलती है। नियमित रूप से रक्तदान करने से आयरन की अतिरिक्त मात्रा नियंत्रित हो जाती है जोकि दिल की सेहत के लिए अच्छा है। उन्होने बताया कि कई बार मरीजों के शरीर में रक्त की मात्रा इतनी कम हो जाती है कि उन्हें किसी और व्यक्ति से रक्त लेने की आवश्यकता पड़ जाती है। ऐसी ही इमरजेंसी की स्थिति में खून की आपूर्ति के लिए लोगों को रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए। जिससे जरूरतमंदों की मदद की जा सके।

संपादकीय

परमाणु के खिलाफ युद्ध

इजरायल-ईरान युद्ध की परिणति क्या होगी? क्या यह महायुद्ध या विश्व युद्ध में तबदील होगा? कौन गलत है और कौन सही है? इन सवालों के जवाब फिलहाल नहीं दिए जा सकते। इजरायल के सामने अस्तित्व का संकट है। ईरान 1950 से परमाणु कार्यक्रम में जुटा है। कभी अमरीका उसके परमाणु कार्यक्रम में शामिल था। अमरीका समेत सभी प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ ईरान के परमाणु करार थे, लेकिन तमाम करार रद्द करने पड़े, क्योंकि ईरान चोरी-छिपे यूरेनियम से बिजली नहीं, परमाणु बम बना रहा था। यह मिथ्या आरोप नहीं है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि ईरान अभी नहीं माना, तो आगे बुरा होगा। उसे बर्बाद कर दिया जाएगा। ईरान अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी को चेतावनी दे रहा है। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की हालिया बैठक में 19 देशों ने ईरान की परमाणु नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। मई, 2025 में आईएईए की एक रपट में खुलासा किया गया है कि पांच माह में ईरान 22 परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर लेगा। उसने करीब 60 फीसदी यूरेनियम संवर्धन का काम कर लिया है। ईरान परमाणु कार्यक्रम संबंधी अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का हनन कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत कई विश्व नेताओं की जानकारी है कि ईरान 9-10 परमाणु बम बना चुका है। ईरानी बम न केवल इजरायल के लिए भयानक खतरा है, बल्कि अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी सरीखे देशों के जहाज फारस की खाड़ी और लाल सागर में नष्ट कर सकता है। ईरानी परमाणु बम बनाए जाने से मध्य-पूर्व और पश्चिम एशिया के हालात भी अस्थिर, अशांत हो सकते हैं, लिहाजा इजरायल ने ईरान पर जो विध्वंसक हमले किए हैं, वे ईरान के परमाणु ठिकानों और कार्यक्रमों को 'मिट्टी' बनाने के मद्देनजर किए हैं। इजरायल ने करीब 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के विभिन्न इलाकों में हमले किए। ईरान के सेना प्रमुख, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के चीफ समेत 20 प्रमुख सैन्य जनरलों और 9 वरिष्ठ वैज्ञानिकों को मार दिया गया। उनमें 3 ऐसे परमाणु वैज्ञानिक थे, जो ईरान का परमाणु कार्यक्रम संचालित करने में विशेष योगदान दे रहे थे। ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों, मिसाइल लॉन्चर, नेचुरल गैस रिफाइनरी आदि को तबाह कर दिया गया। इजरायल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' को एक बार फिर शाबाश देनी पड़ेगी कि उसने यह ऑपरेशन करीब एक साल पहले तय किया था और करीब 2000 किमी. बसे देश ईरान के भीतर ही अपने बेस बना लिए थे। वहीं से ड्रोन हमले कर ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों के परखच्चे उड़ा दिए थे। मोसाद के करीब 1000 एजेंट्स ईरान में ही सक्रिय हैं। यही कारण है कि इजरायल के हमले सटीक निशाने पर लगे।

> ईरान 1950 से परमाणु कार्यक्रम में जुटा है। कभी अमरीका उसके परमाणु कार्यक्रम में शामिल था। अमरीका समेत सभी प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ ईरान के परमाणु करार थे, लेकिन तमाम करार रद्द करने पड़े, क्योंकि ईरान चोरी-छिपे यूरेनियम से बिजली नहीं, परमाणु बम बना रहा था। यह मिथ्या आरोप नहीं है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि ईरान अभी नहीं माना, तो आगे बुरा होगा। उसे बर्बाद कर दिया जाएगा। ईरान अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी को चेतावनी दे रहा है। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की हालिया बैठक में 19 देशों ने ईरान की परमाणु नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। मई, 2025 में आईएईए की एक रपट में खुलासा किया गया है कि पांच माह में ईरान 22 परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर लेगा। उसने करीब 60 फीसदी यूरेनियम संवर्धन का काम कर लिया है। ईरान परमाणु कार्यक्रम संबंधी अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का हनन कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत कई विश्व नेताओं की जानकारी है कि ईरान 9-10 परमाणु बम बना चुका है।

बहरहाल ईरान ने भी 150 मिसाइलों की बारिश कर जवाबी कार्रवाई की है। ईरान के पास ऐसी मिसाइलों का भंडार है, जो 2000 किमी. की दूरी पर मार करने में सक्षम हैं, लेकिन इजरायल के सुरक्षा-कवच भी अभेद्य हैं। अब हमले दोतरफा हो गए हैं। हमलों में अभी तक 141 लोग मारे जा चुके हैं। इजरायल में तो मात्र 3-4 मौतें ही हुई हैं, शेष मौतें ईरान के हिस्से की हैं। इमारतें जमींदोज हो रही हैं। ईरान ने 'आपातकाल' घोषित कर दिया है, तो इजरायल में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। अमरीका ने अपने सैनिकों के परिवारों को वापस बुलाने का आदेश दिया है। भारतीय दूतावास ने भी 'परामर्श' जारी किए हैं, लेकिन एक ही हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम छिन्न-भिन्न हो जाएगा अथवा तबाह हो चुका है, यह संभव नहीं है। ईरान यूरेनियम खदानों और भंडारण का देश है। पहाड़ों के नीचे परमाणु प्रयोग किए जा रहे हैं।

आप का नजरीया

सिर्फ कहने से स्मार्ट सिटी नहीं

स्मार्ट सिटी परियोजना के आईने अब धर्मशाला और शिमला के शहरी विकास को आंखें दिखा रहे हैं। विभागीय कसरतों, सियासी ख्वाहिशों और विकास के मजमून में स्मार्ट सिटी परियोजनाएं केवल अधोसंरचना निर्माण तथा संसाधनों के आबंटन का मुलम्मा बन कर रह गईं। अब परियोजना समय के घाव लिए किसी तरह निर्माण के ढेर पर वक्त हासिल कर रही है। धर्मशाला के परिप्रेक्ष्य में योजनाओं की गुल्लक में फंसा अधूरा कार्य पुनः दरख्वास्त करने जा रहा है कि समय की छूट के अगले छह महीने मिल जाएं। स्मार्ट सिटी परियोजना की विडंबना केंद्र और राज्य के बीच त्रासदी की तरह राष्ट्रीय संसाधनों का मजाक बन चुकी है, क्योंकि इसकी परख सिर्फ रेत-सीमेंट और सरिया से होने लगी। मूल उद्देश्यों की निगरानी के बजाय यहां सिर्फ पैसा देखा गया और इसे विभिन्न विभागों की छतों पर चढ़ा दिया गया। शिमला की सडक़ो को चौड़ा करते-करते स्मार्ट सिटी अब कंक्रीट की दीवार सरीखी हो गई। धर्मशाला और शिमला सिटी परियोजना की पाकेट में एचआरटीसी को बैठा कर इलेक्ट्रिक बसें, टेम्पो ट्रेवलस, इनोवा के अलावा चार्जिंग स्टेशन बना दिए, तो इस व्यवस्था से शहर की कमाई को क्या मिला। आश्चर्य यह कि धर्मशाला के बस स्टाप में लगा धन शहरीकरण से बेमेल हो गया या अतिक्रमणकारी टैक्सी स्टैंड इनके ऊपर उभर आए। क्या इस पैसे से टैक्सी, वोल्वो या पर्यटक बस स्टैंड नहीं बनाए जा सकते थे। दोनों ही स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत स्मार्ट स्कूलों तथा सरकारी भवनों की छतों पर सोलर पैनल चढ़ा दिए गए, लेकिन किसी ने पीछे मुडक़र यह नहीं देखा कि कोई बल्ब जला या बिजली आपूर्ति में कितनी बचत हुई। अब विवेचन यह होना चाहिए कि ये दोनों शहर कहां स्मार्ट और कहां आत्मनिर्भर हुए। क्या योजनाओं के लक्ष्यों में जनता को कोई आश्वासन मिला या अब यह एहसास होने लगा कि कहीं तो बेहतर हुआ। शिमला को बतौर राजधानी यह परियोजना किस पांत में ले गई, अलबत्ता हुआ यह कि कुछ विभागीय कार्यों की फेहरिस्त स्मार्ट शहरों के बजट को चूस कर निकल गई। आज भी धर्मशाला की डंपिंग साइट में कूड़े का ढेर नागरिक नाक को बदबू ही दे रहा है। आज भी शहर का ट्रांसपोर्ट सिस्टम पुराने ढर्रे पर चल रहा है। पर्यटक सीजन में शिमला और धर्मशाला के ट्रैफिक जाम नसीहत दे रहे हैं, तो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं की वकालत में अगर अगले पचास साल का खाका बन जाता, तो भी गनीमत होती। अगर सोचा होता कि इसके तहत शहरी व्यवस्था को स्वाभिमान, अनुशासन, पारदर्शी जवाबदेही और शहरी संस्कृति के स्तर को ग्लोबल पहचान में विकसित करना है, तो आज सारे मानदंड व कसौटियां बदल गई होतीं। उदाहरण के लिए अगर धर्मशाला के बस स्टैंड में स्मार्ट सिटी परियोजना मेहनत करती तो न केवल पर्यटन और मनोरंजन सुविधाओं में इजाफा होता, बल्कि निरंतर आय के स्रोत से भविष्य का बजट भी निर्धारित होता। इसी तरह शिमला व धर्मशाला में योजनाबद्ध तरीके से आधुनिक बाजार व बैंक स्केवर विकसित करते तो उपभोक्ताओं को सुविधा मिलने के साथ-साथ आय का एक बड़ा स्रोत शहर को मिलता। स्मार्ट परियोजनाओं से प्रकृति के रिश्ते और जंगल से भविष्य की कितनी तलाश हुई, यह भी देखना होगा। धर्मशाला की डल झील के अलावा जल प्रपात तथा खड्डों-नालों के तटीकरण के साथ वाटर स्पोट्र्स व मनोरंजन पार्क विकसित किए जाते, तो यह अगली सदियों के विश्राम स्थल व कमाई के स्रोत साबित होते। विडंबना यह है कि स्मार्ट सिटी परियोजना को सियासी चश्मे से देखा गया और जिसके पीछे विभागीय असमर्थता, नालायकी व दूरदृष्टि के अभाव को छुपाने की कोशिश ही हुई। यह शहरीकरण की दिशा में उपलब्धि हो सकती थी, लेकिन अब समय समाप्ति की ओर अग्रसर यह प्रोजेक्ट हाथ मलते देखा जा सकता है। सरकार दोनो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं का ऑडिट व सर्वेक्षण करवा कर पता तो लगाए कि शहरीकरण की अंततः कौन सी प्राथमिकताएं हैं और शहरी निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या-क्या करना होगा।

अमरीका की व्यापक शुल्क नीति पर अमरीका की संघीय अपील अदालत द्वारा ट्रंप के अनुकूल फैसला दिया गया

भारत-अमरीका अंतरिम व्यापार समझौते की संभावनाएं

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत और अमरीका के बीच अंतरिम कारोबार समझौते के अंतिम दौर की वार्ता इसी माह जून तक पूर्ण किया जाना ट्रंप के बार-बार बदलते टैरिफ रुख के साथ-साथ दो अन्य कारणों से भी भारत के हित में है। कुछ दिनों पहले तक चीन पर भारी टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने अब अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध रोककर कारोबारी संबंधों को वापस पटरी पर लाने और दुर्लभ खनिजों पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों को हटाने के लिए 11 जून को चीन के साथ करार किया है। इसके तहत जहां चीन अमरीका को मैग्नेट और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति करेगा, वहीं अमरीका अपने कालेजों और विश्वविद्यालयों में चीनी छात्रों को पढ़ने की अनुमति देगा।

यकीनन इस समय भारत और अमरीका के बीच अंतरिम कारोबार समझौते के अंतिम दौर की वार्ता इसी माह जून तक पूर्ण किया जाना ट्रंप के बार-बार बदलते टैरिफ रुख के साथ-साथ दो अन्य कारणों से भी भारत के हित में है। कुछ दिनों पहले तक चीन पर भारी टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने अब अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध रोककर कारोबारी संबंधों को वापस पटरी पर लाने और दुर्लभ खनिजों पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों को हटाने के लिए 11 जून को चीन के साथ करार किया है। इसके तहत जहां चीन अमरीका को मैग्नेट और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति करेगा, वहीं अमरीका अपने कालेजों और विश्वविद्यालयों में चीनी छात्रों को पढने की अनुमति देगा। इसी तरह अमरीका की व्यापक शुल्क नीति पर अमरीका की संघीय अपील अदालत द्वारा ट्रंप के अनुकूल फैसला दिया गया है। इस फैसले से अमरीका अन्य देशों के खिलाफ खुद को बचाने के लिए शुल्क का उपयोग कर सकता है। अतएव ऐसे परिदृश्य में भारत और अमरीका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते से ट्रंप के व्यापार यूटर्न पर रोक लग सकेगी। गौरतलब है कि हाल ही में अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि भारत और अमरीका के बीच आंतरिक व्यापार समझौता इसी जून महीने में पूरा होते हुए दिखाई दे सकेगा। इस तरह के समझौते को पूर्ण होने में दो या तीन साल लग जाते थे। विगत 29 मई को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मैनहैटन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत के द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क सहित अन्य विभिन्न शुल्कों को अवैध ठहराए जाने के बीच अमरीका के साथ भारत की व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ती रहेगी। वस्तुतः इस समय भारत-अमरीका कारोबार के बढने के बारे में तीन बातें रेखांकित हो रही हैं। एक, भारत और अमरीका के बीच 25 जून, 2025 तक एक अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा हो सकती है। दो, भारत सरकार अपनी सरकारी खरीद बाजार का एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जा रही है तथा इसमें अमरीका की कंपनियां भी शामिल होंगी। भारत सरकार के खरीद अनुबंधों का केवल एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोला जाएगा। यह हिस्सा मुख्य रूप से केवल केंद्र सरकार की परियोजनाओं से जुड़ा होगा। तीन, अमरीकी कंपनियों के लिए भारत लाभ का बाजार बना हुआ है। अमरीकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के द्वारा आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक को अमरीका में बिकने वाले आईफोन भारत में बनाए जाने पर अमरीका में 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने की कड़ी चेतावनी के बाद भी एप्पल ने भारत में आईफोन विस्तार जारी रखने का

संकेत दिया है। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वाशिंगटन में अमरीकी वाणिज्य मंत्री हार्वर्ड लटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि पारस्परिक लाभ (रेसिप्रोकल) सुनिश्चित करने के लिए वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था को आकार दिए जाने की संभावना हैं। अमरीका ने विगत 2 अप्रैल को भारतीय सामान पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे 9 जुलाई तक यानी कुल 90 दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया था। ऐसे में 8 जुलाई के पहले अमरीका के साथ किया जाने वाला अंतरिम व्यापारिक समझौता टैरिफ विवादों को सुलझाने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। इस संभावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में जो तस्वीर उभर कर दिखाई दे रही है, इसके तहत अमरीका के बाजार में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को शून्य करवाने के लिए भारत भी अमरीका की कई वस्तुओं पर शुल्क में राहत दे सकता है। अमरीका भारत के बाजार में कृषि उत्पादों का निर्यात करना चाहता है, लेकिन भारत सिर्फ गैर जेनिटिकली मोडिफायड (जीएम) कृषि उत्पादों को ही अपने बाजार में आने की अनुमति देगा। डेयरी जैसे संवेदनशील उत्पादों को भी शुल्क समझौते में शामिल करने की उम्मीद नहीं है। भारत अमरीका से सभी रोजगारपरक सेक्टर में शून्य शुल्क या अति कम शुल्क चाहता है ताकि इन सेक्टर का अमरीका में होने वाला निर्यात बढ़े, जिससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग व रोजगार बढ़ोतरी में मदद मिलेगी। दूसरी तरफ, अमरीका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ, वाइन, एथनाल, कई औद्योगिक आइटम व कुछ खाद्य आइटम के शुल्क में छूट चाहता है। इसके साथ अमरीका भारत के गुणवत्ता नियंत्रण नियम में भी छूट चाहता है। पिछले दिनों अमरीका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी वाशिंगटन में एक बैठक में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने है, जिसके साथ अमरीका का द्विपक्षीय-कारोबार समझौता (बीटीए) प्रारंभिक आकार लेने के करीब है। भारत-अमरीका के बीच बीटीए को 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया है। गौरतलब है कि विगत 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दिए। दोनों देशों ने अमरीका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमरीकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने द्विपक्षीय समझौते के तहत भारत और अमरीका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया। साथ ही भारत और अमरीका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। निश्चित रूप से ट्रंप के द्विपक्षीय व्यापार संबंधी कुछ अपरिपक्व बयानों के बाद भी अब इसी जून माह में अमरीका के साथ शीघ्र ही भारत के अंतरिम व्यापार समझौते और फिर दिसंबर 2025 तक बीटीए से भारत अमरीका कारोबार तेजी से बढ़ते हुए दिखाई देगा। हाल ही में प्रकाशित विदेश व्यापार के नए आंकडों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। साथ ही दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह महत्त्वपूर्ण है कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढक़र 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में अमरीका से आयात 7.44 प्रतिशत बढक़र 45.33 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमरीका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर था। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पिछले दिनों ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का एफटीए अब अमरीका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों के साथ-साथ ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एक मिसाल के रूप काम कर रहा है। हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा अमरीका के साथ इसी जून माह में संभावित मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा।

देश दुनीया से

मौन की भाषा से रची कालजयी कृतियां

शब्द सुंदर लगते हैं, जीवन को गति देते हैं, ध्वनि देते हैं। दो लोगों के बीच शब्द ही एक ऐसी दूरी है जो उनके बीच पुल का काम करती है। क्या होता है जब दो लोग एक-दूसरे की भाषा से परिचित नहीं होते। ऐसे में मौन उनकी भाषा बनता है। मौन अत्यंत सशक्त भाषा है। जो मौन की शक्ति और भाषा को पहचान जाता है, वह स्वयं को मानवीयता के श्रेष्ठ शिखर पर स्थापित कर लेता है। अनेक ऋषि-मुनि मौन व्रत रखते हैं। कई मौनी बाबा भी होते हैं जो मौन रहकर अपनी शक्ति से आम लोगों को परिचित कराते हैं। योग न केवल शरीर को निरोग रखता है, अपितु योग की अनेक प्रवृत्तियां व्यक्ति को सुख, शांति प्रदान करती हैं और उनकी छठी इंद्रिय को जाग्रत करती हैं। नाद योग के अंतर्गत ध्वनि को अत्यंत शक्तिशाली उपकरण के रूप में देखा जाता है। नाद योग में ध्वनि और कंपन के माध्यम से तन-मन, शरीर और आत्मा संतुलित होते हैं। विभिन्न ध्वनियां जिसमें मौन भी शामिल है, शरीर के ऊर्जा केंद्रों को सक्रिय करती हैं। क्या आपने कभी मौन की भाषा को समझने का प्रयास किया है। कई बार जब दो लोग बातें करते-करते अनायास चुप हो जाते हैं, उनके बीच एक लंबी खामोशी पसर जाती है, एक विराम आ जाता है तो उस समय उस रिक्त स्थान पर मौन की उपस्थिति हो जाती है। यह अत्यंत शक्तिशाली माध्यम है। विश्व के सुप्रसिद्ध संगीतकार वोल्फगैंग अमाडेस मोजार्ट कहते हैं कि, 'किसी बात के मध्य का मौन उस बात के जितना ही महत्वपूर्ण होता है।' उन्होंने इस उद्धरण को स्वयं के साथ महसूस किया था। उनके दांपत्य जीवन को जोड़ने में मौन की भूमिका बेहद सशक्त रही। इसलिए वे मौन की शक्ति से परिचित थे। संगीतकार होने के कारण भी वह और उनकी प्रेमिका मौन के महत्व को जानते थे।

मोजार्ट बचपन से ही प्रतिभा के धनी थे। मात्र तीन साल की उम्र में ही उन्हें संगीत की समझ हो गई थी। पांच साल की उम्र में उन्होंने संगीत की रचना करनी आरंभ कर दी थी। आठ साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली सिम्फनी लिखी थी। वर्ष 1781 की एक सर्द शाम में उनकी नज़र एक युवती कॉन्सटैंज़ वेबर पर पड़ी। वह 19 वर्ष की गायिका थी। उसके घर में संगीत का वातावरण था। वह छोटी उम्र से ही संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। कॉन्सटैंज़ को देखते ही मोजार्ट अपनी सुध-बुध खो बैठे। जब वह उनके सामने आई तो उनके मुख से शब्द ही नहीं निकले। एक मौन उन दोनों के बीच व्याप्त था। उस मौन की भाषा ने केवल उन्हें ही नहीं समझाया, अपितु उनके दिलों पर भी कब्जा कर लिया। जो बातें शब्द न कह पाए, वह मौन ने मुखर होकर कह दिया कि दोनों को एक-दूसरे से प्रेम हो गया है। प्रेम की स्वीकृति मिलने पर दोनों के मन में शोर मचने लगा। निःशब्द शोर। ऐसा शोर जो चुप रहकर अपना काम करता है और बहुत तेजी से करता है। कई बार दोनों घंटों साथ रहते, उनके बीच शब्दों का आदान-प्रदान कम होता और मौन की भाषा उनके दिलों को आपस में जोड़ती जाती। आखिर मौन की शक्ति ने काम किया और दोनों विवाह के अटूट बंधन में बंध गए। दोनों का दांपत्य जीवन बेहद सुखद रहा। हालांकि, मोजार्ट की असमय मृत्यु से उनका दाम्पत्य जीवन लंबा नहीं रहा। मगर विवाह के बाद मोजार्ट ने अपने ओपेरा, 'द एबडक्शन फ्रॉम द सेराग्लियो' और 'द मैरिज ऑफ फिगारो' से पूरी दुनिया में धूम मचा दी। मौन के साथ संबंधों में अधिक सुदृढ़ता कायम रहती है। जिन संबंधों में लोग मौन के साथ शब्दों का प्रयोग करते हैं, उनके संबंध अधिक सशक्त रहते हैं। जो व्यक्ति अपनी प्रभावशाली बातों से सबको मोहित कर लेता है, वह सब लोगों को अपने मोहपाश में जकड़ लेता है। वहीं कई बार ऐसे व्यक्ति जो बोलने के बजाय मौन पर अपना ध्यान केंद्रित करते हैं, वे प्रभावशाली बोलने वालों से अधिक योग्य और प्रतिभाशाली साबित होते हैं। मौन में ज्ञान निहित होता है। कलाकार और चिंतक बोलने के बजाय सुनने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे जितने मौन रहते हैं, उनकी आंतरिक शक्तियां उतनी ही अधिक प्रबल होती हैं। यही कारण है कि कई कलाकारों की कलाकृतियां, धुनें, रचनाएं सदियों तक पृथ्वी पर अपनी उपस्थिति जमाए रखती हैं। यह सदैव याद रखें कि सशरीर कोई व्यक्ति अमर नहीं होता। उनके शब्द, प्रतिभा और व्यक्तित्व मृत्यु के साथ मिट जाते हैं। अमिट रह जाती हैं तो वे कलाकृतियां, धुनें और रचनाएं जो मौन के साथ जन्म लेती हैं और सदा के लिए अमर हो जाती हैं। इसलिए यदि आपने अपने जीवन में अभी तक मौन का अभ्यास नहीं किया है, इसको नहीं समझा है तो समझिए क्योंकि यही मौन आपके व्यक्तित्व में चार चांद लगाएगा। आपके जीवन को सफल बनाएगा। आपके मौन की गूंज से जन्म लेने वाली स्थितियां और परिस्थितियां आगे चलकर अमर हो जाएंगी।

कुछ अलग

शाम को ही मिलेंगे साहब

अब वह साहब हैं, तो मानना पड़ेगा कि साहब जैसा ही व्यवहार करेंगे। जनता उनसे मिलने सुबह-सुबह पहुंच जाए, तो साहब क्या करें। यहां साहब की मर्जी, सुबह मिलें या शाम को, व्रत के दिन मिलें या डिनर के साथ। यह साहब जरा अलग तरह के थे। लोगों से चाहे सुबह मिलें, लेकिन तब सलाह देते हैं कि शाम को मिलें। वैसे दफ्तर सुबह मिलने के काबिल होते भी कहां। सुबह तो लोग कंपनी गार्डन या सब्जी मंडी में मिलते हैं। अब तो मिलना भी व्याकरण का सवाल हो गया। जितने ऊंचे रहने के टावर, उतनी ही ऊंची मुलाकात। हैरानी यह कि लिफ्ट में लोग एक साथ चढ़ या उतर कर भी नहीं मिलते। सोशल मीडिया पर दोस्तों की संख्या के रिकार्ड, लेकिन दोस्ती की कोई मुलाकात नहीं। सडक़ पर घूमते फेसबुकिया फ्रेंड अब मुलाकात नहीं करते। मिलने और मुलाकात में भी अंतर आ गया। रोज कारपोरेट जगत में हजारों कर्मचारी मिलते जरूर, लेकिन मुलाकात नहीं करते। अब तो विवाह-शादियों में भी लोग मिलते, लेकिन मुलाकात नहीं करते। अब लोगबाग मिलने व मुलाकात के अंतर को समझने के लिए देश की विदेश नीति तक पहुंच गए हैं। पहले विदेश मंत्रालय अपने दूतावासों के जरिए मुलाकात करता था, इसलिए भारत से मिलकर दुनिया चलना चाहती थी। अब दुनिया चल-चल कर इतनी मिल ली कि मुलाकात का समय कम पड़ गया। कल एक कवि मिल गया, लेकिन उसने अपनी कविता से ऐसी मुलाकात करा दी कि साहित्य की उपयोगिता से मिलने तक का शक हो रहा है। उनका मानना था कि मिल-मिल के मोहब्बत होती है, जबकि मुलाकात तो दुश्मनों से भी हो सकती है। कवि के विचारों ने देश की कूटनीति को प्रभावित कर दिया। सोच यह रहा कि 'मिलें या मुलाकात करें।' मिलने के रिकार्ड हैं। कोई बड़ा नेता एक ही रैली या रोड शो में हजारों से मिल लेता है, लेकिन मुलाकात तो वह चुनावी घोषणापत्र से भी नहीं कर पाता। मिलने और मुलाकात में नक्षत्रों का भी फर्क होता है।अच्छे हों तो ट्रंप हमारे पड़ोसी पाकिस्तान से बिना मिले एतबार कर लेता और अब तो मिलने के बावजूद, मुलाकातें बुरी होने लगी हैं। जनता को दूर से सभी नेता, मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री अच्छे लगे, लेकिन मुलाकात तो किसी पटवारी से भी महंगी पड़ती है। अब साहब ने कहा है कि शाम को मिलो, तो यकीनन यह मुलाकात नहीं होगी। वैसे कौनसा नागरिक आज तक सरकारी दफ्तर के साहबों से मिल पाया। नागरिक को कानूनन मिलता है इतना दस्तावेजी काम। सरकार की योजना से मिलने वाले लाभ का नाम ही नागरिक को काम देना है। कभी संभव हो तो अपना ही जीवित प्रमाणपत्र बनवा लेना। आप जिंदा हैं, इसे साबित करना मुश्किल है या आपके मां-बाप मर चुके हैं, इसे प्रमाणित करना अधिक कठिन है, यह मिलने और मुलाकात के बीच का अंतर है।

दृष्टि कोण

संयुक्त परिवारों का टूटना भाईचारे के लिए घातक

बीती शताब्दी के पांचवें-छठे दशक से पहले तक लोग संयुक्त परिवारों में रहना पसंद करते थे। परिवार में दो-तीन या इससे अधिक सगे भाई परिवार सहित एक ही छत के नीचे इकठ्ठे रहते थे। मुखिया का आदेश सब के लिए सर्वोपरि था। सुख-दुख सबका साझा होता था। परिजनों का एक दूसरे के प्रति बहुत मान-सम्मान था। उस समय समाज में भी अटूट भाईचारा था। लोग परस्पर एक-दूसरे का सहयोग करते थे। इससे उनका अपना काम भी हो जाता था तथा दूसरे को भी सहयोग हो जाता था। उस समय यह कहावत प्रचलित थी कि 'टब्बर नी देखना कमान्दा तां कल्हा नी देखना खांदा।' अर्थात बड़ा परिवार एकजुट होकर किसी काम को हाथ डालता, तब मुश्किल काम भी आसान हो जाता। अकेला आदमी थोड़ी देर काम करेगा तथा फिर खाना बनाने में काफी समय व्यतीत हो जाता। कई बार बड़े परिवार के सदस्य जब काम में बहुत व्यस्त होते या खेती की बुआई का समय होता। घर के एक-दो सदस्य खाना बनाते तथा खेतों में ही भेज देते। ज्यादा लोगों के लिए बना खाना वैसे भी स्वदिष्ट तथा पौष्टिक होता। कड़ी मेहनत करने के बाद खाया गया खाना भी बहुत अच्छा लगता। उसमें तेल व मसालों की मात्रा कम रहती है। ऐसा खाना सुपाच्य व स्वास्थ्यवद्र्धक होता था। अकेला आदमी यदि खाना बनाते हुए कम तेल व मसाले आदि डालेगा, तब भी एक या दो लोगों के लिए ज्यादा होंगे। पहले बड़े परिवार के मुखिया को भग्यवान माना जाता था। उसके साथ दो-तीन पीढियों के परिजन इक्_ रहते थे। इसलिए परिवार के सदस्यों की संख्या के अनुसार काम भी ज्यादा होता था। बड़े परिवार में पुरुषों व महिलाओं की संख्या में ज्यादा अंतर नहीं होता था। गांव में जब किसी अन्य परिवार के घर कोई कारज होता, उस समय हर परिवार में से एक

पुरुष व एक महिला वहां काम करवाने जाते। अन्य लोग अपने घर का काम निपटाते थे। मुख्य व्यवसाय खेती-बाड़ी एवं पशु-पालन था। गांव में दूध-घी की कमी नहीं थी। मक्की, गंदम व धान के साथ ही दलहन और तिलहन की फसलों की काफी उपज हो जाती थी। ग्रामीण वर्ष भर कड़ी मेहनत व लग्न से खेती एवं पशुपालन का काम करते थे। काम के साथ आराम के लिए भी समय निर्धारित था। परिवार के हर आयु वर्ग के सदस्य की दैनिक कार्यक्रम की एक निर्धारित समय सारिणी होती थी। महिलाओं के जिम्मे भोजन, साफ सफाई, पशु-पालन व खेती का छिटपुट कार्य था। पुरुष वर्ग के कंधों पर खेती-बाड़ी के अलावा वितीय प्रबंधन, परिजनों के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति करना व ग्रामीणों के साथ भाईचारा बनाए रखना आदि कार्य होता था। बुजुर्ग महिलाएं रोजाना चरखा चलती थी। बुनकर उसे खड्डी पर बुनते थे। करीब एक शताब्दी पहले तो पहनने के लिए पूरे परिवार के पास सूती कपड़े होते थे। जिन्हें चरखे पर काता जाता था। उस कपड़े का रंग सफेद ही होता था। महिलाएं उनको अपनी मनपसंद का रंग देती थी। रंग जल्दी-जल्दी ही फीका न पड़े इसलिए उसे बरतन में खूब काढ़ा जाता था। ग्रामीण क्षेत्र में ज्यादातर कपड़ों की हाथ से ही सिलाई की जाती थी। दर्जी दूर शहर में ही होते थे। सिलाई भी बहुत महंगी होती थी। इसलिए महिलाएं सूई-धागे से ही सादे कपड़ों की सिलाई करती थी। परिवार के पुरुषों के पास सफेद रंग का कुर्ता व जंगिया होता था। पुरुष पाजामा तो किसी विशेष अवसर पर ही पहनते थे। सिर पर टोपी जरूर होती थी। युवक भी नंगे सिर नहीं रहते थे। कंधे पर सूती पटका भी जरूर होता था। बुजुर्ग पुरुष घर का हल्का-फुलका काम करते थे तथा 'बाण' बाटते थे। बाण, बिहुला पेड़ व शन पौधों के रेशे का बनता था। लंबे मोटे रस्से, पशुओं को बांधने वाले रस्सों के अलावा चारपाई को बुनने वाली पतली रस्सियां सब हाथ से बाटी जाती थी। किसी भी कार्य को अंजाम देने के लिए सारा परिवार एक मत होता था। मुखिया की बात कोई नहीं टालता था। प्रतिदिन सवेरे चार-पांच बजे से ही परिजनों की दिनचर्य शुरू हो जाती थी। ज्यादा आयु-वर्ग की महिलाएं रसोई में चौका देकर चूल्हे में आग जलाती तथा दहीं बिलोरने के काम में लग जाती। जबकि दूसरी महिला दाल-सब्जी बनाने में व्यस्त हो जाती थी।

कांग्रेस जिला महामंत्री सहित तीन नेताओं ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नेतृत्व क्षमता और विकास की नीतियों से प्रेरित होकर कांग्रेस नेता लगातार भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं। मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने श्रीगंगानगर जिले के कांग्रेस जिला महासचिव जवाहर लाल अग्रवाल, नगर पालिका केसरीसिंहपुर अध्यक्ष सुमित्रा रानी अग्रवाल और कांग्रेस नेता लक्की चावला को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा तथा श्रीगंगानगर से पृथ्वीपाल सिंह, महेंद्र कुमार, गुरूप्रीत सिंह बराड़ भी उपस्थित रहे। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने वाले नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल हो रहे हैं, जो पार्टी के लिए एक सकारात्मक संकेत है। नवीन सदस्यता ग्रहण करने वाले नेताओं ने भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्वास जताया और पार्टी के लिए काम करने का संकल्प लिया। भाजपा में इन नेताओं के शामिल होने से पार्टी को श्रीगंगानगर जिले में मजबूती मिलेगी और आगामी चुनावों में पार्टी की स्थिति और सशक्त होगी।

प्रधानमंत्री का साइप्रस में सम्मान देश का सौभाग्य वर्धन : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दिल्ली से जोधपुर पहुंचकर और अपने निवास पर मीडिया से बातचीत की। पीएम नरेंद्र मोदी को साइप्रस में सम्मानित किए जाने के सवाल के जवाब में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि ऐसे सम्मान भारत के हम सब भारतवासियों के लिए हासिल कर हम सब लोगों का सौभाग्य वर्धन किया है। गंगा जल संरक्षण अभियान पर कहा कि जल संरक्षण होने से पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलता है। जातीय जनगणना संबंधित सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि किसी विषय को समझने या जान बूझकर के ना समझने पर प्रतिक्रिया देने के बजाय उनकी उस नासमझी या न समझने की आदत इन दोनों के ऊपर कभी-कभी विनोद कर लेना ही ज्यादा बेहतर होता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा

फोन टैपिंग के आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि टेलीफोन टैपिंग जो गहलोत सरकार में जिसमें सब खुद मंत्री थे उस समय के टेलीफोन टैपिंग के प्रकरण चीफ मिनिस्टर के ओएसडी ने जिस तरह से उन सब का खुलासा किया है, मुझे लगता है कि उसके बाद में शायद कांग्रेस के किसी नेता से कम से कम राजस्थान में तो उनको इस तरह के लांछन लगाने या इस तरह की आधारहीन बातें करने का मोरल राइट भी नहीं है उनके पास इस तरह का कोई अधिकार नहीं है और दिल्ली पुलिस को जिस तरह के स्टेटमेंट मुख्यमंत्री के तत्कालीन ओएसडी ने दिए है। उनकी सरकार को लेकर के मुख्यमंत्री के व्यवहार आचरण को लेकर के उनके टेलीफोन टैपिंग में बयान दिए हैं, मुझे लगता है पहले उस पर विचार करना चाहिए। बीजेपी परिवार भाव से काम करने वाली पार्टी है कि हम सामूहिक निर्णय पद्धति के साथ में निर्णय करने वाले लोग हैं। जब गहलोत साहब की सरकार थी तब गहलोत साहब के मंत्री गहलोत साहब के विधायक, गहलोत साहब के उपमुख्यमंत्री वह किस तरह की टिप्पणियां करते थे पहले एक बार वह उनके बारे में विचार करें उसके बाद उनको कुछ कहने का अधिकार है।

लुधियाना वेस्ट सीट उपचुनाव प्रचार के अंतिम दिन राजनीतिक दलों ने किया शक्ति प्रदर्शन

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब के लुधियाना जिले के अतंर्गत विधानसभा क्षेत्र लुधियाना वेस्ट सीट के लिए मंगलवार को चुनाव प्रचार थम गया। इस सीट के लिए 19 जून को मतदान होगा। प्रचार के अंतिम दिन सभी राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने यहां रोड शो और चुनावी रैलियां करके अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। लुधियाना वेस्ट के विधायक गुरप्रीत गोगी की 14 जनवरी को घर पर गोली लगने से मौत हो गई थी। इसके बाद यह सीट खाली हो गई थी। निर्वाचन आयोग ने 25 मई को उपचुनाव की घोषणा की थी। इस सीट पर जीत के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ और केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने भी प्रचार किया। भाजपा प्रभारी और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी यहां नामांकन के दौरान प्रचार कर गए थे। बाद में अहमदाबाद विमान दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। इस सीट के लिए आम आदमी पार्टी ने उद्योगपति और राज्यसभा सदस्य संजीव अरोड़ा को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस ने पूर्व मंत्री भारत भूषण आशु, भाजपा ने जीवन गुप्ता और शिरोमणि अकाली दल ने उपकार सिंह घुम्मण को मैदान में उतारा है। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन आम आदमी पार्टी (आआपा) की तरफ से लालजीत सिंह भुल्लर, डॉ. एसएस आहलुवालिया ने आज लुधियाना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान कई लोगों ने आम आदमी पार्टी ज्वाइन करने का ऐलान किया। वहीं आआपा के इंचार्ज मनीष सिसोदिया, प्रधान अमन अरोड़ा और उम्मीदवार संजीवन अरोड़ा ने अपनी पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में समर्थन जुटाने के लिए रोड शो किया। कांग्रेस उम्मीदवार ने भी आरती चौक से रोड शो किया।

बिहार में पिछले 24 घंटे में आकाशीय बिजली गिरने से 12 की मौत

पटना (हिंस)। बिहार के छह जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से पिछले 24 घंटे में 12 लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इन घटनाओं पर अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार बीते 24 घंटे में प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने से बक्सर जिले में 04, पश्चिम चम्पारण में 03, कटिहार में 02, कैमूर में 01, लखीसराय में 01 और सीतामढ़ी में 01 व्यक्ति सहित कुल 12 लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। उन्होंने आज ही मृतक के परिजनों को चार-चार लाख रुपए अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर आकाशीय बिजली से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

एसीबी का नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी के आठ ठिकानों पर छापा

जयपुर (हिंस)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने कोटपूतली-बहरोड़ जिले की नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा के अधिशाषी अधिकारी (ईओ) फतेह सिंह मीणा के आठ ठिकानों पर छापेमारी की। इसमें जयपुर के जगतपुरा, विराटनगर, पावटा (कोतपूतली-बहरोड़), शाहपुरा (जयपुर), कोटपूतली, थानागाजी (अलवर) के विभिन्न ठिकाने व ऑफिस शामिल हैं। मंगलवार तड़के एसीबी को सर्च के दौरान कई अहम दस्तावेज भी मिले हैं। अधिशाषी अधिकारी राजकीय सेवा में होते हुए आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर एसीबी टीम ने यह कार्रवाई की है। आधा दर्जन से अधिक स्थानों की गई कार्रवाई में करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति में निवेश की जानकारी सामने आई है। एसीबी टीमों को कई अन्य अहम दस्तावेज भी मिले हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी को अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह मीणा के आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। जिस पर एसीबी की ओर से गोपनीय सत्यापन में राजकीय सेवा में नियुक्त होने से अब तक 273 प्रतिशत आय से अधिक संपत्ति अर्जित करना सामने आया। अधिशाषी अधिकारी फतेह सिंह के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का केस दर्ज किया गया है। फतेह सिंह की ओर से जगतपुरा जयपुर में दो लग्जरी फ्लैट करीब 1.30 करोड़ रुपए के खरीदे गए हैं। नीमकाथाना के दीपावास में 1.05 हेक्टेयर जमीन खरीदी है। अलवर के थानागाजी में अपने परिचित के नाम पर करीब 15 बीघा भूमि खरीद कर फॉर्म हाउस डेवलप कर करीब 80 लाख रुपए बेनामी निवेश किए गए हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध की वजह से जयपुर में बिगड़ा फ्लाइट शेड्यूल

जयपुर (हिंस)। ईरान और इजराइल के बीच जारी युद्ध और खराब मौसम की वजह से जयपुर एयरपोर्ट का फ्लाइट शेड्यूल गड़बड़ा गया है। मंगलवार को जयपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली दो इंटरनेशनल फ्लाइट अपने निर्धारित वक्त पर उड़ान नहीं भर पाई। इसकी वजह से पैसेंजर्स को एयरपोर्ट पर परेशान होना पड़ा। इनमें शारजाह और दुबई जाने वाली दो इंटरनेशनल शामिल है। दरअसल, ईरान और इजराइल के बीच जारी युद्ध के चलते एयर स्पेस बंद है। इसकी वजह से अरब देशों को तरफ जाने वाली फ्लाइट्स के संचालन पर व्यापक असर नजर आ रहा है। मंगलवार सुबह एयर अरेबिया की फ्लाइट जी9 - 436 अपने निर्धारित वक्त 4 बजकर 45 मिनट पर जयपुर से एयर स्पेस बंद होने की वजह से उड़ान नहीं भर पाई। इसके बाद 5 घंटे 20 मिनट बाद सुबह 10 बजकर 5 मिनट पर फ्लाइट ने शारजाह के लिए टेक ऑफ किया। इसी तरह स्पाइसजेट एयरलाइंस की फ्लाइट एसजी - 57 को सुबह 8 बजकर 55 मिनट पर दुबई के लिए उड़ान भरनी थी। ऐसे में इस फ्लाइट ने लगभग 4 घंटे बाद दोपहर 12 बजकर 45 मिनट पर दुबई के लिए उड़ान भरी।

पीड़ित, दलित, वंचित और गरीब पीडीए का हिस्सा : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पीड़ित, दलित, वंचित और गरीब पीडीए का हिस्सा है। यह राजनीतिक नहीं बल्कि भावनात्मक गठबंधन है। आज इसमें पसमांदा समाज भी शामिल हो गया है। पी का एक मतलब पसमांदा समाज भी होता है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी मुख्यालय में मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पंचायत चुनाव के लिए हम तैयार हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार सपा के वोट कम करने के लिए काम कर रही है, ये बात अब जनता भी समझ रही है। सपा अध्यक्ष ने जातीय जनगणना की अधिसूचना पर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अभी तक ये लोग एक भी काम सही ढंग से पूरा नहीं करा पाए हैं तो जातीय जनगणना कैसे होगी, यह सोचने वाली बात है। उन्होंने कहा कि कई राजनैतिक दल जो कुछ दिन पहले स्वदेशी नारा देते थे, उन्होंने हमारे बाज़ार को

विदेशियों से कब्जा करा दिया। दूध उत्पादन तो उत्तर प्रदेश में हो ही नहीं रहा है। जो मदद सरकार की तरफ से मिलती थी, वो भी इन्होंने बंद कर दी गई है। अब प्रदेश में बिजली महंगी होने जा रही है। यह सरकार महंगाई, बरोजगारी लगातार बढ़ा रही है। भाजपा के दुष्प्रचार का कोई मुकाबला नहीं कर सकता। भाजपा के पास इतना संसाधन है कि किसी को बदनाम करने के लिए, आप कल्पना नहीं कर सकते हैं। अखिलेश ने कहा कि बुनकरों पर हम एक डॉक्यूमेंट तैयार करेंगे जो आने वाले समय में समाजवादी पार्टी के मैनिफेस्टो में शामिल होगा।

इस वर्ष सिख श्रद्धालुओं का जत्था नहीं जाएगा पाकिस्तान

चंडीगढ़ (हिंस)। शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने फैसला किया है कि इस बार सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान में गुरूधामों की यात्रा पर नहीं जाएगा। यह जानकारी मंगलवार को एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने दी। दरअसल, शेरे पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की बरसी के अवसर पर जून माह के अंतिम सप्ताह में पाकिस्तान में हर साल कार्यक्रम होते हैं। हर साल की तरह इस साल भी पाकिस्तान की तरफ से कार्यक्रमों का ब्यौरा एसजीपीसी को भेजा गया था। जिसके तहत 29 जून को भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे को पाकिस्तान रवाना होना था। एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि सिख श्रद्धालुओं की तरफ से पाकिस्तान जाने के लिए अपने पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज एसजीपीसी के पास जमा करवा दिए गए थे। दोनों देशों के बीच तनाव तथा अभी तक लगाई गई पाबंदियों के मद्देनजर एसजीपीसी ने इस बार सिख श्रद्धालुओं को पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सिख श्रद्धालुओं को उनके पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज वापस किए जाएंगे।

कांग्रेस संगठन सृजन अभियान की बैठक में ऑब्जर्वर ने टटोली कार्यकर्ताओं की नब्ज

सबकी मेहनत से भविष्य में और अधिक मजबूत होगी कांग्रेस : जीसी चंद्रशेखर

गुरुग्राम (हिंस)। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी एवं हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक की तरफ से मंगलवार को अग्रवाल धर्मशाला में संगठन सृजन अभियान को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अहम बैठक की गई। इस बैठक में ऑब्जर्वर जीसी चन्द्रशेखर, प्रदेश कांग्रेस कमेटी से रामनिवास घोडिला, लखन सिंगला, देवेश कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज, सुखबीर कटारिया, वीरेंद्र यादव, पंकज डावर, पंकज भारद्वाज, कुलराज कटारिया, सुनीता सहरावत, केएल यादव, सूबे सिंह यादव, मुकेश शर्मा समेत अनेक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी से ऑब्जर्वर जीसी चंद्रशेखर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं को हर मंच पर सम्मान देती है। कांग्रेस बेहद ही अनुशासित राजनीतिक दल है। यहां हर कार्यकर्ता को अपनी बात रखने की आजादी है। लोकतांत्रिक पार्टी में ऐसा होना जरूरी भी है। कांग्रेस की ओर से पदाधिकारी बनने के

लिए 35 से 55 साल तक की आयु सीमा तय की गई है। उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ भाजपा है, जिसके कार्यकर्ता को सिर्फ हां जी ही कहना पड़ता है। उन्हें संगठन में ना तो बोलने की आजादी है और ना ही सवाल-जवाब करने का अवसर मिलता है। वहां ऊपर से जो तय होकर आता है, वही कार्यकर्ताओं पर थोंप दिया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा में कार्यकर्ता दुखी और परेशान हैं। उन्हें संगठन की मजबूती के नाम पर तरह-तरह से परेशान किया जाता है। पीसीसी से रामकिशन घोड़ेला, लखन सिंगला, देवेश कुमार ने भी संगठन में कार्यकर्ताओं के सम्मान की बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी विचाराधारा की पार्टी है, जिसने हमेशा राष्ट्र को प्रथम माना है।कांग्रेस ने भारत के लिए बलिदान दिए हैं। अपने जीवन से बड़ा बलिदान कोई नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस संगठन में पद पाने को लेकर जिस तरह से कार्यकर्ताओं में जोश है, वह काबिले तारीफ है। ऐसा होना भी चाहिए। कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ होते हैं। इसलिए कार्यकर्ताओं का संगठन में सदैव उचित सम्मान होगा। कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज ने कहा कि संगठन के मापदंडों के अनुसार जो भी कार्यकर्ता खरे उतरेंगे, उन्हें पद मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष मजबूत कार्यकर्ता को बनाया जाएगा, ताकि कांग्रेस पार्टी और अधिक मजबूत हो सके। कांग्रेस का झंडा उठाकर संघर्ष करने वाले ही सर्वोपरि रखे जाएंगे। संगठन को मेहनती, अनुभवी और सदा संगठन के लिए सक्रिय रहने वाले कार्यकर्ता ही आगे बढ़ा रहे हैं और बढ़ाते रहेंगे।

ट्रांसजेंडर समुदाय को सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त हो : राज्यपाल

लखनऊ (हिंस)। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में मंगलवार को राजभवन में दो महत्वपूर्ण बैठकें आयोजित की गईं। पहली बैठक राजभवन की भूमि एवं राजस्व अभिलेखों से संबंधित रही, जबकि दूसरी बैठक ट्रांसजेंडर समुदाय के कल्याण के कार्यों की समीक्षा हेतु थी। राज्यपाल ने ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए लखनऊ जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। राज्यपाल ने ट्रांसजेंडर समुदाय के पंजीकरण हेतु निर्देश दिए तथा यह सुनिश्चित करने को कहा कि उन्हें सभी सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से प्राप्त हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के प्रयास करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने गरिमा गृह, ट्रांसजेंडर सुरक्षा प्रकोष्ठ, ट्रांसजेंडर कल्याण समिति, ट्रांसजेंडर पहचान-पत्र, ट्रांसजेंडर गणना एवं चिन्हांकन प्रक्रिया तथा आयुष्मान भारत योजना एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के तहत इन्हें दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। राज्यपाल ने राजभवन परिसर एवं आसपास की लीज पर दी गई भूमि, वक्फ संपत्ति तथा राजस्व अभिलेखों की वर्तमान एवं ऐतिहासिक स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने राजभवन की

भूमि के अभिलेख एवं ऐतिहासिक राजस्व अभिलेखों को एकत्र कर डिजिटल रूप में संरक्षित करने के निर्देश दिए तथा वक्फ संपत्तियों से संबंधित नियमों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि सभी अभिलेखों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से संरक्षित किया जाए। बैठक में लखनऊ के मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब, जिलाधिकारी विशाख जी अय्यर सहित संबंधित अधिकारियों ने वक्फ पंजीकरण, खसरा विवरण, नजूल रजिस्टर, राजभवन की पूर्व एवं वर्तमान भूमि स्थिति आदि पर विस्तार से जानकारी दी। विधि परामर्शदाता प्रशांत मिश्रा ने वक्फ अधिनियम तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों पर जानकारियां दी।

गवाही देने के लिए पुलिस कर्मियों को अब वेबसाइट से बुलाया जाएगा : डीजीपी

पटना (हिंस)। अब गवाह और गवाही के अभाव में स्पीडी ट्रायल के मामले लटकाए नहीं जा सकेंगे। बिहार पुलिस स्पीडी ट्रायल के लिए चयनित आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए फूलप्रूव सिस्टम तैयार कर रही है। इसमें गवाह चाहे निजी हो या फिर सरकारी, उन्हें हर हाल में गवाही के लिए कोर्ट में पेश होना पड़ेगा। किसी केस में पुलिस कर्मियों को गवाही देने के लिए एक खास वेबसाइट के माध्यम से समन जारी कर बुलाया जाएगा। इस मामले में पुलिस महानिदेशक विनय कुमार का कहना है कि गवाहों के ससमय कोर्ट में पेश न होने से स्पीडी ट्रायल के कई मामले लटक रह जाते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि पुलिस के भी कई अधिकारी और कर्मी मुकदमों की सुनवाई के दौरान गैर हाजिर हो जाते हैं, जिससे मुकदमें का ट्रायल प्रभावित होता है। डीजीपी विनय कुमार ने कहा कि अब ऐसा नहीं होगा। केस की सुनवाई के दौरान गवाही के लिए समय पर कोर्ट में पेश न होने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मियों का वेतन बंद कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपराधिक मुकदमों में गवाह बनाए गए पुलिस अधिकारियों और कर्मियों के लिए बिहार पुलिस बहुत जल्द ही एक वेबसाइट लांच करने जा रही है। जिसके माध्यम से पुलिस के वैसे अधिकारियों को कोर्ट में गवाही के लिए समन भेजा जाएगा, जिन्हें आपराधिक मुकदमों में गवाह बनाया गया है और उनका तबादला राज्य के किसी दूसरे जिले में हो चुका है। इतना ही नहीं, इस वेबसाइट के माध्यम से वैसे पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को भी

समन भेजा जाएगा जो सेवानिवृत हो चुके हैं या बीमार हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सरकारी गवाहों को गवाही के लिए कोर्ट तक लाना पुलिस की जिम्मेदारी है। उन्हें कोर्ट तक लाने के लिए वाहन की व्यवस्था खुद पुलिस करेगी। साथ ही, उनकी जरूरत के अनुसार अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। डीजीपी ने कहा ने कहा कि त्वरित न्याय केवल पीड़ित पक्ष का ही मौलिक अधिकार नहीं है, बल्कि ऐसे मुकदमों में अभियुक्त बनाए गए लोगों का भी मौलिक अधिकार है।

बिहार में छह छोटे हवाई अड्डे होंगे विकसित, कैबिनेट ने दी स्वीकृति

मंत्रिपरिषद की बैठक में कुल 20 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना (हिंस)। प्रदेश सरकार ने सुगम और समुचित हवाई संपर्क प्रदान करने के लिए छह हवाई अड्डों को विकसित करने की कवायद तेज कर दी है। इसके अंतर्गत मधुबनी, वीरपुर (सुपौल), मुंगेर, बाल्मीकीनगर (पश्चिमी चंपारण), मुजफ्फरपुर और सहरसा हवाई अड्डा को उड़ान योजना के तहत छोटे हवाई अड्डा के रूप में विकसित करने के लिए नई दिल्ली स्थित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) होने जा रहा है। इसकी कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में 20 एजेंडों पर मुहर लगी। इस बैठक के बाद लिए गए निर्णयों के बारे में मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने सूचना भवन सभागार में प्रेस कांफ्रेंस में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र और राज्य के बीच होने वाले इस समझौते से हवाई अड्डों का निर्माण कार्य जल्द पूरा हो सकेगा। इससे स्थानीय निवासियों को हवाई आमागमन में सहूलियत होने के साथ ही आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। इसके लिए

25 करोड़ रुपए प्रत्येक हवाई अड्डा के लिए दिया गया है। इस तरह सभी छह हवाई अड्डों के लिए 125 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। अपर मुख्य सचिव डॉ सिद्धार्थ ने बताया कि राज्य में अब सरकार तेलहन और दलहन की भी खरीद करेगी। इसके लिए केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के स्तर से प्राइस सपोर्ट स्कीम (पीएसएस) के तहत राज्य में दलहन और तेलहन की अधिप्राप्ति का मूल्य मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित किया गया है। चना का 5 हजार 650 रुपए प्रति क्विंटल, मसूर के लिए 6 हजार 700 रुपए और सरसो के लिए 5 हजार 950 रुपए प्रति क्विंटल मूल्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि पटना में मौजूद होटल पाटलिपुत्र अशोक के स्थान पर एक पांच सितारा होटल बनेगा। इसके लिए पीपीपी (निजी-सरकारी सहयोग) मोड पर निर्माण की मंजूरी दी गई है। इसमें सफल निविदाकर्ता पटना की कुमार इंफ्राट्रेड इंटरप्राइजेज प्राइवेट लिमिटेड को लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) निर्गत किया गया है। ताकि यहां आने वाले पर्यटकों को बेहतरीन आवासन की सुविधा मिल सके। इससे राजस्व प्राप्त में बढ़ोतरी होने के साथ ही आर्थिक गतिविधि भी बढ़ेगी। यह लीज शुरुआती 60 वर्ष के अलावा 30-30 वर्ष के लिए दो बार अवधि विस्तार की जाएगी। इसके अलावा गांधी मैदान के पास मौजूद बांकीपुर सरकारी बस स्टैंड और पटना के दारोगा राय पथ पर स्थित परिवहन विभाग के कार्यालय सुल्तान पैलेस का निर्माण भी पांच सितारा होटल के तौर पर कराया जाएगा। इसके लिए जल्द ही निविदा की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग और इसके अंतर्गत निदेशालयों से जुड़े मामलों का समाधान करने के लिए राजस्व परामर्शदात्री समिति का गठन किया गया है। इसका अध्यक्ष किसी सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी को अध्यक्ष बनाया जाएगा। इस समिति के गठन का उदेश्य राजस्व विशेषज्ञों की सेवा लेकर जटिल मामलों का समाधान करना है। खान एवं भूतत्व विभाग के तहत राज्य की 5 प्रमुख नदियों सोन, किउल, फ्लगू, मोरहर और चानन का पुनर्भरण अध्ययन कराया जाएगा। यह अध्ययन सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) से कराया जाएगा। इस पर दो करोड़ 58 लाख 61 हजार रुपए का खर्च आएगा। इससे इन प्रमुख नदियों में वर्षा के दौरान बालू के जमा होने की जानकारी मिल सकेगी। इसकी मदद से पर्यावरण का ध्यान रखते हुए बालू की निकासी हो सकेगी। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि राज्य के माध्यमिक या उच्च माध्यमिक स्कूलों में लिपिक के पद पर नियुक्ति होगी। इसके लिए बिहार राज्य विद्यालय लिपिक (नियुक्ति, सेवाशर्त एवं अनुशासनिक कार्रवाई) संवर्ग नियमावली-2025 की स्वीकृति कैबिनेट ने प्रदान कर दी है।

इस्राइल–ईरान जंग के बीच भारत ईंधन आपूर्ति जरूरतें पूरी करने के लिए तैयार : हरदीप पुरी

नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि इस्राइल-ईरान चल रही जंग के दौरान भारत अपनी ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है।

पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी ईंधन की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम और अच्छी स्थिति में है।

भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है

हम अपने बास्केट में पर्याप्त विविधता ला चुके हैं और ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए सहज स्थिति में हैं। भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी देते हुए हरदीप पुरी ने कहा, तेजी से अस्थिर होते भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों और हमारे पीएसयू ओएमसी के साथ भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। भारत अपने जीवाश्म-आधारित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नवीनतम प्रयास का प्रमाण अंडमान में हो रही गहरी खुदाई है। अन्वेषण और उत्पादन के लिए सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं। अंडमान में अन्वेषण अच्छी खबर है और यह भारत के लिए गुयाना मोमेंट बन सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत में एक अनुमान के मुताबिक 35 लाख वर्ग किलोमीटर की तलछटी बेसिन है। ये ऐसे इलाके होते हैं जहां झीलों, नदियों आदि के तल पर जमा रेत, पत्थर, कीचड़ के नीचे कच्चे तेल या गैस मिलने की संभावना होती है। पुरी के मुताबिक भारत ने कभी भी आठ प्रतिशत क्षेत्र से आगे अन्वेषण नहीं किया। इससे समुद्र तल का एक बड़ा हिस्सा ऐसा रह गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत से ईरान में चावल का एक्सपोर्ट लगभग ठप, ड्राई फ्रूट्स मार्केट में भी अफरा-तफरी

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि भारत से ईरान में चावल का निर्यात लगभग ठप हो गया है। चावल कारोबारियों के मुताबिक, ईरान में भारत के चावल की सप्लाई ठप होने से प्रति किलो चावल के भाव में 10 रुपये की गिरावट आई है। उधर, ड्राई फ्रूट्स के दामों में उछाल आ गया है। जानकारी के मुताबिक भारत से बासमती सेला चावल की सबसे ज्यादा सप्लाई ईरान में होती है। लेकिन इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के चलते बीते चार दिनों से भारत से चावल की सप्लाई ठप हो गई है। जिससे चावल कारोबारियों में खलबली मच गई है। नया बाजार के एक चावल कारोबारी ने बताया कि चावल इंडस्ट्री में डर का माहौल है। शुक्रवार को शुरू हुए इस युद्ध के बाद ईरान में बासमती सेला की सप्लाई ठप हो गई है। हजारों टन चावल बीच रास्तों में फंस गए हैं। कुछ टन माल वापस हो गया है। जिससे कारोबारी परेशान हैं। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने से पहले बासमती सेला चावल का थोक दाम लगभग 70 रुपये था, लेकिन बीते चार दिनों में प्रति किलो दाम में 10 रुपये की गिरावट आई है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में चावल का दाम और कम हो जाएगा, जिससे कारोबारियों को करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ेगा।

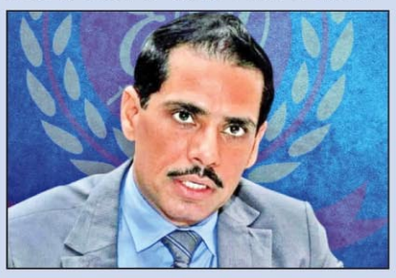

रॉबर्ट वाड्रा ईडी के समन पर पेश नहीं हुए, विदेश से लौटने के बाद होंगे जांच में शामिल

नई दिल्ली। कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ब्रिटेन के भगोड़े हथियार डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। रॉबर्ट वाड्रा अपनी बेटी के ग्रेजुएशन समारोह में भाग लेने के लिए विदेश दौरे पर हैं। अब वे विदेश यात्रा से लौटने के बाद जांच में शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इससे पहले 10 जून को भी ईडी के जारी समन में वे फ्लू जैसे लक्षण का हवाला देकर उपस्थित नहीं हुए थे। इसलिए केंद्रीय जांच एजेंसी ने 17 जून को पेश होने के लिए नया समन जारी किया था, जिस पर खबर आई थी कि रॉबर्ट वाड्रा मंगलवार को ईडी के समक्ष पेश होंगे। रॉबर्ट वाड्रा के वकील ने बताया कि 56 वर्षीय व्यवसायी अपनी बेटी के ग्रेजुएशन समारोह में भाग लेने के लिए विदेश यात्रा पर हैं। उन्होंने कहा कि वाड्रा ने पहले ही अदालत को इस बारे में सूचित कर दिया है। वाड्रा के वकील ने कहा कि वे विदेश यात्रा से वापस लौटने के बाद जांच में शामिल होंगे। ईडी रॉबर्ट वाड्रा और लंदन की दो संपत्तियों के बीच कथित संबंधों की जांच कर रहा है। इसमें एक 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर और दूसरी ग्रोसवेनर हिल कोर्ट, 13 बोर्डन स्ट्रीट पर है।

नथिंग फोन 3 के भारत में निर्माण की घोषणा

नई दिल्ली। नथिंग कंपनी के पहले ट्रू फ्लैगशिप स्मार्टफोन नथिंग फोन 3 के भारत में निर्माण की घोषणा की है। कंपनी का यह निर्णय भारत में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। यह स्मार्टफोन 1 जुलाई को भारत और वैश्विक बाजारों में लॉन्च किया जाएगा। फोन (3) का निर्माण चेन्नई स्थित मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में होगा, जहां वर्तमान में 500 से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से 95 प्रतिशत महिलाएं हैं। नथिंग पहले से ही फोन 2 और किफायती फोन 3ए सीरीज का निर्माण भारत में कर रही है। स्थानीय स्तर पर निर्माण बढ़ाकर कंपनी का लक्ष्य उत्पादन कुशलता बढ़ाने, डिलीवरी में देरी कम करने और बाजार की मांग का तेजी से जवाब देने का है। कंपनी के को-फाउंडर और इंडिया प्रेसिडेंट अकीस इवेंजेलिडिस ने कहा कि भारत नथिंग के लिए शुरुआत से ही अहम बाजार रहा है। उन्होंने बताया कि फोन (3) भारत में बना तीसरा स्मार्टफोन होगा और यह 'मेक इन इंडिया' विजन के साथ पूरी तरह मेल खाता है। यह नथिंग का पहला ट्रू फ्लैगशिप फोन होगा, जो ब्रांड की सबसे बेहतरीन तकनीक का प्रतीक है। इसके अलावा, फोन में एक सर्कुलर मॉड्यूल में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप देखा गया है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त बनाने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,033.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 270.74 अंक यानी 1.40 प्रतिशत उछल कर 19,677.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 124.84 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,390.25 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,875.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.74 प्रतिशत उछल कर 7,742.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 182.89 अंक यानी 0.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,699.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.26 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,929 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,018.49 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.19 प्रतिशत टूट कर 3,382.14 अंक के स्तर तक गिर गया है।

दूसरी ओर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,163.42 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 134.75 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 22184.65 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स में भी मजबूती नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 222.80 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,534.13 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत उछल कर 3,924.63 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ 2,955.51 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,116.14 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ खर्च किए: रिपोर्ट

मुंबई। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए तेल और वसा पर खर्च में गिरावटस्थ्रद्ध के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78प्रतिशत की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है। बीते चार वर्षों में खर्च का आंकड़ा इस प्रकार है- 2023-24: चॉकलेट, जेम, चीनी: 6.60 लाख करोड़ सब्जियां: 5.95 लाख करोड़तेल वसा: 2.45 लाख करोड़, 2022-23: चॉकलेट, जेम, चीनी: 5.51 लाख करोड़सब्जियां: 5.28 लाख करोड़तेल वसा: 3.05 लाख करोड़ 2021-22: चॉकलेट, जेम, चीनी: 4.71 लाख करोड़, सब्जियां: 5.06 लाख करोड़तेल वसा: 2.76 लाख करोड़ 2020-21: चॉकलेट, जेम, चीनी: 4.46 लाख करोड़, सब्जियां: 4.79 लाख करोड़, तेल वसा: 2.01 लाख करोड़स्वास्थ्य और कुल रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च में 18.75 फीसदी की बढ़त हुई है। वहीं कुल उपभोक्ता खर्च 9.72प्रतिशत बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

आयात घटने से व्यापार घाटा हुआ कम, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली

देश से वस्तुओं का निर्यात मई, 2025 में सालाना आधार पर 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 39.59 अरब डॉलर था। आयात घटने से व्यापार घाटा मई, 2024 के 22.51 अरब डॉलर से कम होकर 21.88 अरब डॉलर रह गया। उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया।

यह आंकड़ा मई, 2024 के 61.68 अरब डॉलर की तुलना में 1.7 फीसदी कम है। कच्चे तेल और सोने का आयात घटने से यह गिरावट आई है। इस दौरान देश से 32.39 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया, जबकि आयात 17.14 अरब डॉलर रहा। वस्तुओं और सेवाओं को

पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया

मिलाकर कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात मई में 54.1 फीसदी बढ़कर 45.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 30.32 फीसदी घटकर 5.6 अरब डॉलर रहा। चावल, लौह अयस्क, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और कपड़ों की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई।

चाय, कॉफी, मसाले, सभी प्रकार के वस्त्र, रसायन, समुद्री उत्पाद और फार्मा के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत से अमेरिका को निर्यात मई में 16.93 फीसदी बढ़कर 8.83 अरब डॉलर पहुंच गया हालांकि, आयात में 5.76 फीसदी की गिरावट रही।

नई इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी जल्द होगी लॉन्च

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स नई इलेक्ट्रिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी को लॉन्च करने की तैयारी में है। टाटा सिएरा ईवी चालू वित्त वर्ष के अंत तक बाजार में उपलब्ध हो सकती है। डिजाइन के मामले में यह एसयूवी एकदम अलग पहचान के साथ आएगी। इसमें ब्लैक-फिनिश्ड रूफलाइन, रैपराउंड ग्लास इफेक्ट, फ्लोटिंग रूफ और क्लैमशेल-स्टाइल टेलगेट जैसे एलिमेंट्स शामिल हैं, जो इसे एक प्रीमियम और फ्यूचरिस्टिक लुक देते हैं। इसके अलावा, इसमें पैनोरमिक सनरूफ और मॉडर्न डिजाइन लैंग्वेज का उपयोग किया गया है। फीचर्स के लिहाज से टाटा सिएरा ईवी में वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, पूरी तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग, अडास और 360 डिग्री कैमरा जैसे हाई-एंड फीचर्स मिलने की संभावना है। बैटरी और परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें दो बैटरी पैक ऑप्शन दिए जा सकते हैं। कंपनी इसे सिंगल चार्ज में 500 किलोमीटर से ज्यादा की रेंज के साथ पेश कर सकती है। हालांकि लॉन्च से जुड़ी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इसकी कीमत लगभग 25 से 30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के बीच हो सकती है।

कोयला मंत्रालय ने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए

मरवाटोला ब्लॉक सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया

नई दिल्ली

कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को घोषणा की कि उसने अब तक कुल 200 कोयला ब्लॉक आवंटित किए हैं, जो भारत के कोयला क्षेत्र में क्रांति लाने और राष्ट्रीय ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। मरवाटोला कोयला ब्लॉक के लिए ऐतिहासिक आवंटन आदेश सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को जारी किया गया है।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक मध्य प्रदेश में सिंघल बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड को मारवाटोला कोयला ब्लॉक का आवंटन क्षेत्रीय सुधारों, निजी भागीदारी को बढ़ावा देने और कोयला उत्पादन में राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता को मजबूत करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। पिछले कई वर्षों में मंत्रालय ने वाणिज्यिक कोयला खनन के आगमन और एकल-खिड़की निकासी प्रणाली की शुरुआत से लेकर डिजिटल निगरानी और शासन उपकरणों को अपनाने तक कई परिवर्तनकारी सुधार किए हैं। इन उपायों ने सामूहिक रूप से कोयला क्षेत्र के परिचालन परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। निजी उद्यम के लिए नए अवसर खोले हैं और संसाधन विकास के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह तथा भविष्य के लिए तैयार ढांचा सुनिश्चित किया है।

सड़कों पर आ रही हाइड्रोजन क्रांति अशोक लीलैंड, टाटा मोटर्स और अन्य कंपनियां कर रही पहल

नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर इकाई से लेकर लेह के ठंडे इलाकों अथवा नई दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़कों तक भारत का वाणिज्यिक वाहन उद्योग हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों के जरिये ईंधन में बदलाव को रफ्तार दे रहा है। ईंधन में बदलाव की इस क्रांति का नेतृत्व अशोक लीलैंड और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन कंपनियां कर रही हैं।

कई उद्योग के दिग्गज भी इस ओर छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विस्तार हैं, लेकिन मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) भी भविष्य के लिए रणनीतिक तौर पर कदम बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए अशोक लीलैंड ने 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज के साझेदारी के तहत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक उतारा था। फिलहाल 20 से अधिक ऐसे वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और दो साल में ही इन वाहनों ने करीब 2.5 लाख किलोमीटर नाप लिए हैं। हाइड्रोजन से चलने वाले ये वाहन दक्षता के मामले में भी डीजल वाहनों के बराबर हैं। इतना ही नहीं, कंपनी ने दिल्ली, लेह एवं लद्दाख में हाइड्रोजन फ्यूल सेल वाली बसें तैनात करने के लिए एनटीपीसी ग्रीन के साथ करार भी किया है। टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन इंजन और फ्यूल सेल वाले दो ट्रकों का परीक्षण शुरू कर दिया है। परीक्षण मार्च में शुरू हुआ था जो अगले 24 महीनों तक चलेगा।

इसमें विभिन्न भार क्षमता वाले 16 हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों को शामिल किया जाएगा। इन ट्रकों का परीक्षण प्रमुख मार्गों पर किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली एनसीआर, सूरत, वडोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं। टाटा मोटर्स के ग्रुप सीएफओ पीबी बालाजी ने हाल में कहा था, 'हमने अपने पहले हाइड्रोजन ट्रकों की शिपिंग भी शुरू कर दी है।

मलेशिया की सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह को दिए 15 लाख पाम बीज

किनाबाटांगन। मलेशिया की एक सरकारी एजेंसी ने भारतीय उपभोक्ता सामान कंपनी पतंजलि समूह को अभी तक पाम के 15 लाख बीज की आपूर्ति की है। मलेशिया की इस सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह के साथ पांच साल का अनुबंध किया है जो 2027 में समाप्त हो रहा है। इस अवधि में एजेंसी पाम के कुल 40 लाख बीज की आपूर्ति करेगी। मलेशिया, भारत को पाम तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी सरकारी एजेंसी ने पाम के बीजों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत, पाम तेल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने के वास्ते घरेलू स्तर पर इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहा है। इस अनुबंध पर सावित किनाबालू समूह की बीज से जुड़ी अनुषंगी कंपनी ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुषंगी कंपनी हर वर्ष पाम के एक करोड़ बीजों को संसाधित करती है।

आईसीसी रैंकिंग में स्मृति मंधाना की धमाकेदार वापसी, बनीं नंबर वन

नई दिल्ली

भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक बार फिर आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 स्थान हासिल कर लिया है। 28 वर्षीय मंधाना ने एक स्थान की छलांग लगाते हुए यह मुकाम दोबारा हासिल किया है। वह नवंबर 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंची हैं।

इस बार मंधाना के 727 रेटिंग अंक हैं, जबकि दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से मौजूद दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट और इंग्लैंड की नई कप्तान नैट सिवर-ब्रंट के पास 719 अंक हैं। वोल्वार्ड्ट को वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरुआती दो वनडे मैचों में केवल 27 और 28 रन बनाने का खामियाजा उठाना पड़ा, जिससे वह शीर्ष स्थान से फिसल गईं। वह पिछले छह महीनों से अधिक समय से नंबर 1 पर काबिज थीं।

वोल्वार्ड्ट की टीम की खिलाड़ी टैज़मिन ब्रिट्स ने पहले वनडे में अर्धशतक जमाकर रैंकिंग में 5 स्थान की छलांग लगाई है और अब वह 27वें स्थान पर पहुंच गई हैं। दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में शुरुआती मुकाबला चार विकेट से गंवाने के बाद दूसरे मैच में 40 रनों से जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है।

दक्षिण अफ्रीका की ही पूर्व कप्तान सुने लूस ने दूसरे मैच में 76 रन की शानदार पारी खेली और बल्लेबाजों की सूची में 7 स्थान की छलांग लगाकर 42वें स्थान पर पहुंच गईं। साथ ही, उन्होंने गेंदबाजों की सूची में भी 7 स्थान की बढ़त हासिल कर 42वें नंबर पर जगह बनाई।

वेस्टइंडीज की ओपनर किआना जोसेफ ने पहले मैच में 60 रन की पारी खेली और वह रैंकिंग में 12 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 67वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

गेंदबाजी रैंकिंग में वेस्टइंडीज की स्पिनर एफी फ्लेचर और दक्षिण अफ्रीका की नोंकुलुलेको म्लाबा ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। दोनों ने दूसरे वनडे में 4-4 विकेट चटकाए और क्रमशः 4 और 6 स्थान की छलांग लगाकर 19वें और 23वें स्थान पर पहुंच गईं।

न्यूज ब्रीफ

महिला विश्व कप के बाद वनडे को अलविदा कहेंगी सोफी डिवाइन, टी20 करियर रहेगा जारी

वेलिंगटन/नई दिल्ली। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने घोषणा की है कि वह इस वर्ष भारत और श्रीलंका में होने वाले 50 ओवर के महिला विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी। हालांकि, वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के साथ कैजुअल (चयनित) अनुबंध के तहत उपलब्ध रहेंगी। 35 वर्षीय डिवाइन ने यह घोषणा न्यूजीलैंड की 17 सदस्यीय महिला अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची जारी होने से ठीक एक दिन पहले की है। चूंकि वह अब केंद्रीय अनुबंध का हिस्सा नहीं होंगी, इसलिए विश्व कप के बाद एक नई वनडे कप्तान की नियुक्ति की जाएगी। डिवाइन ने 2006 में 17 साल की उम्र में वनडे डेब्यू किया था और करीब 19 वर्षों तक न्यूजीलैंड की एक प्रमुख ऑलराउंडर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया। वह न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक वनडे खेलने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं और वनडे में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों में चौथे स्थान पर हैं। लेकिन संभावना है कि विश्व कप के दौरान वह 4000 रन का आंकड़ा पार कर डेबी हॉकले को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच जाएंगी। उनके नाम 8 वनडे शतक हैं, जो न्यूजीलैंड की महिलाओं में सुजी बेट्स के बाद दूसरा सर्वोच्च आंकड़ा है। साथ ही, वह 100 से अधिक विकेट लेने वाली दो न्यूजीलैंड महिला खिलाड़ियों में शामिल हैं, और इस सूची में भी ली ताहुहु के बाद दूसरे स्थान पर हैं। डिवाइन ने एक बयान में कहा, मुझे लगता है कि यह सही समय है धीरे-धीरे पीछे हटने का। एनजेडसी का सहयोग पाकर मैं खुद को सौभाग्यशाली मानती हूं। इससे मुझे टीम के साथ जुड़े रहने का मौका भी मिलेगा।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने बिग बैश लीग के लिए कराया रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सीज़न के लिए पंजीकृत कराया है। बिग बैश लीग का ड्राफ्ट इस गुरुवार को आयोजित किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को पुष्टि की है कि कौल पुरुष वर्ग में रजिस्ट्रेशन कराने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। भारत के लिए उन्होंने तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी पुरुष बीबीएल ड्राफ्ट में शामिल हुए हैं। यदि उन्हें चुना जाता है तो वह लीग के इतिहास में 43 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। एंडरसन के साथ दुनिया भर से 600 से अधिक खिलाड़ियों ने भी अपना नाम दर्ज कराया है। इस बीच, महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के लिए भारत की 15 महिला खिलाड़ियों ने भी ड्राफ्ट में अपना नाम दर्ज कराया है। इनमें कनिका आहूजा (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, डब्ल्यूपीएल) शामिल हैं, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत के लिए टी20 डेब्यू किया था।

तीन सुपर ओवर के रोमांच के बाद नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया, टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास

ग्लासगो। नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच सोमवार को खेले गए टी20 मुकाबले में दर्शकों को रोमांच की पराकाष्ठा देखने को मिली, जब मैच लगातार तीन सुपर ओवर तक चला। यह किसी भी पुरुष पेशेवर टी20 या लिस्ट ए मुकाबले में पहली बार हुआ है। अंततः नीदरलैंड्स ने यह रोमांचक मुकाबला जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। अंतिम ओवर से तीसरे सुपर ओवर तक का सफर 152 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही नेपाल को अंतिम ओवर में 16 रनों की जरूरत थी। नंदन यादव ने काइल क्लेन की गेंदों पर 4, 2, 2, और फिर एक और चौका लगाकर मुकाबला पहले सुपर ओवर तक खींच दिया। पहले सुपर ओवर में नीदरलैंड्स की ओर से डेनियल डोरम ने गेंदबाजी की। कुशल भुर्तेल ने दो छक्के और एक चौका लगाकर 19 रन बना डाले। जवाब में माइकल लेविट ने पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा, इसके बाद मैक्स ओ'डाउड ने अंतिम दो गेंदों पर 6 और 4 जड़कर मुकाबले को दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचा दिया। दूसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स ने 17 रन बनाए। नेपाल की ओर से रोहित पौडेल ने पहली गेंद पर छक्का लगाया, और फिर दीपेन्द्र सिंह ऐरी ने चौका जड़कर समीकरण आखिरी गेंद पर 7 रन का बना दिया। ऐरी ने काइल क्लेन की गेंद को काउ कॉर्नर पर छक्के के लिए भेजकर तीसरा सुपर ओवर तय कर दिया।

महिला मैराथन की अग्रदूत नीना कुशसिक का निधन, 86 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

महिला मैराथन की अग्रदूत नीना कुशसिक का निधन, 86 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

बोस्टन

महिला धावकों के अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाली बोस्टन मैराथन की पहली आधिकारिक महिला विजेता नीना कुशसिक का निधन हो गया है। वह 86 वर्ष की थीं। न्यूयॉर्क के हंटिंगटन स्टेशन स्थित ए.एल. जैकबसेन अंतिम संस्कार गृह के अनुसार नीना कुशसिक का निधन रविवार को अल्ज़ाइमर रोग से लंबे संघर्ष के बाद श्वसन विफलता के कारण हुआ।

बोस्टन एथलेटिक एसोसिएशन (बीएए) ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, नीना सिर्फ़ एक अग्रदूत या महिला धावकों की पैरोकार नहीं थीं, बल्कि खेल जगत की एक प्रतिष्ठित हस्ती थीं। उनके चेहरे की मुस्कान, हंसी और स्नेह को हम हमेशा याद रखेंगे।

बोस्टन मैराथन में 1972 में पहली बार महिलाओं को आधिकारिक रूप से भाग लेने की अनुमति दी गई, तब नीना कुशसिक ने वह दौड़ जीतकर इतिहास रच दिया। इसके बाद उन्होंने हजारों महिलाओं को प्रेरित किया कि वे भी अपने लक्ष्यों और फिनिश लाइन तक पहुंच सकती हैं।

नीना ने 16 साल की उम्र में हाई स्कूल पास किया था, और न्यूयॉर्क के एक नियम को बदलवाकर 18 वर्ष की उम्र में नर्स की लाइसेंस प्राप्त की थी, जबकि उस समय न्यूनतम उम्र 21 वर्ष थी। उन्होंने स्केटिंग, रोलर स्केटिंग और साइक्लिंग जैसे खेलों में राज्य स्तर की चैंपियनशिप जीतीं और फिर साइकिल टूट जाने के कारण दौड़ की दुनिया में कदम रखा।

1968 से 1971 के बीच उन्होंने चार बार बोस्टन मैराथन में भाग लिया, जब महिलाओं को औपचारिक अनुमति नहीं थी। इन्हें अब पायनियर एरा के रूप में जाना जाता है। फिर 1972 में उन्होंने पहली आधिकारिक महिला दौड़ जीती।

1970 में वे न्यूयॉर्क मैराथन में भाग लेने वाली पहली महिला बनीं। 1972 में 'सिक्स ह सैट' आंदोलन में वे शामिल थीं, जिसमें छह महिलाओं ने 10 मिनट तक दौड़ शुरू नहीं की थी, जिससे एमेच्योर एथलेटिक यूनियन के उस नियम का विरोध किया गया था जिसमें महिलाओं

की दौड़ को पुरुषों से अलग करने की बात थी। उसी वर्ष उन्होंने यह दौड़ भी जीती और अगले साल फिर से खिताब अपने नाम किया।

नीना बाद में यूएसए ट्रैक एंड फील्ड की समितियों में शामिल हुईं और महिला दौड़ के लिए नियम बनाने में अहम भूमिका निभाई। प्रसिद्ध धाविका कैथरीन स्विट्ज़र ने उन्हें हमारी सबसे महान नेताओं में से एक बताया। स्विट्ज़र ने कहा, नीना न केवल एक शानदार धाविका थीं बल्कि उन्होंने वर्षों तक नियम बदलने, शोध प्रस्तुत करने और यह साबित करने में योगदान दिया कि महिलाएं लंबी दूरी की दौड़ में पूरी तरह सक्षम हैं। अपने जीवन में नीना कुशसिक ने 80 से अधिक मैराथन में भाग लिया। उन्होंने 1977 में 50-मील दौड़ का अमेरिकी रिकॉर्ड बनाया और 1979 से 1981 तक लगातार तीन वर्षों तक एम्पायर स्टेट बिल्डिंग रन-अप जीता। उन्हें 1999 में लॉन्ग डिस्टेंस रनिंग हॉल ऑफ फ़ेम में शामिल किया गया था। नीना कुशसिक का योगदान केवल महिला दौड़ को मान्यता दिलाने तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने एक प्रेरणा बनकर लाखों महिलाओं को अपने सपनों की ओर दौड़ लगाने का हौसला दिया।

साओ पाउलो ने मैनेजर जुबेलदिया को पद से हटाया

रियो डी जनेरियो। ब्राजीलियन फुटबॉल क्लब साओ पाउलो ने अर्जेंटीनी मैनेजर लुइस जुबेलदिया को खराब प्रदर्शन के चलते पद से हटा दिया है। क्लब ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। ब्राजीलियन सीरी-ए लीग में साओ पाउलो का प्रदर्शन अब तक निराशाजनक रहा है। टीम 12 मैचों में केवल दो जीत के साथ 20 टीमों की तालिका में 14वें स्थान पर है। हालांकि, कोपा लिबरटाडोरेस में क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए अपने ग्रुप में टॉप किया है और अब अगस्त में कोलंबिया की एटलेटिको नैसिओनल से प्री-क्वार्टर फाइनल खेलेगा। क्लब द्वारा जारी बयान में कहा गया, आपसी सहमति और सौहार्द्रपूर्ण तरीके से यह निर्णय लिया गया कि लुइस जुबेलदिया अब टीम की कमान नहीं संभालेंगे। जुबेलदिया ने अप्रैल 2024 में टीम की जिम्मेदारी संभाली थी और उनके कार्यकाल में साओ पाउलो ने 38 मुकाबले जीते, 27 ड्रॉ खेले और 20 में हार का सामना किया। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अर्जेंटीना के पूर्व स्ट्राइकर हर्नान क्रेस्पो को साओ पाउलो के नए कोच के रूप में सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। क्रेस्पो पहले भी 2021 में आठ महीने तक साओ पाउलो के कोच रह चुके हैं। वे नवंबर 2024 में यूएई के क्लब अल ऐन से अलग हुए थे और तब से कोचिंग से बाहर हैं।

सुपर-60 अमेरिका लीजेंड टूर्नामेंट में जलवा दिखाने को तैयार भारतीय दिग्गज

नई दिल्ली

इस साल अगस्त में आयोजित होने वाले सुपर-60 अमेरिका लीजेंड टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट के चार पूर्व सितारे हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना और रॉबिन उथप्पा एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर दिखाने को तैयार हैं। यह प्रतियोगिता 5 अगस्त से 16 अगस्त तक अमेरिका में चलेगी, जिसका उद्देश्य वहां क्रिकेट को लोकप्रिय बनाना है।

2011 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य हरभजन सिंह और सुरेश रैना, 2007 में टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे रॉबिन उथप्पा और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिखर धवन ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने पर उत्साह जताया। हरभजन सिंह ने कहा, सुपर-60 अमेरिका दिग्गजों के टूर्नामेंट का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। यह एक अनोखा और प्रतिष्ठित प्रारूप है जो क्रिकेट को एक नई दिशा देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्व खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं, जो अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सुरेश रैना ने कहा, मैं इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। यह दुनिया भर के शानदार खिलाड़ियों को एक मंच पर लाता है। ऐसे आयोजनों से अमेरिका में क्रिकेट का दायरा बढ़ेगा और मुझे इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है। शिखर धवन ने कहा, सुपर-60 अमेरिका दिग्गजों के टूर्नामेंट में शामिल होना एक शानदार अवसर है। अमेरिका में उभरती क्रिकेट संस्कृति के साथ जुड़कर मुझे बेहद खुशी हो रही है। यह आयोजन नए प्रशंसकों को जोड़ने और क्रिकेट को मुख्यधारा में लाने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगा।

रॉबिन उथप्पा ने भी कहा, यह प्रतियोगिता नवाचार और प्रतिस्पर्धा का बेहतरीन मेल है। इसका अनोखा प्रारूप खेल को नया आकर्षण देता है और इससे नए दर्शकों को जोड़ने में मदद मिलेगी। क्रिकेट के विकास में योगदान देना मेरे लिए गर्व की बात है।

कनाडा में टी100 टूर के विजेता

कनाडा में टी100 टूर के विजेता एथलीट पदकों के साथ मंच पर नजर आये।

यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने कोच को दिया 25 लाख रुपये का सम्मान, सुनील बोले- जो कुछ भी हूं, उन्हीं की बदौलत हूं

नई दिल्ली

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के स्टार डिफेंडर और यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने ऐसा भावुक कदम उठाया है, जिसने खेल जगत में सभी का दिल जीत लिया है। पीकेएल ऑक्शन के बाद सुनील कुमार ने अपने बचपन के कोच भूपेंदर मलिक को बतौर सम्मान 25 लाख रुपये का चेक सौंपा। यह महज एक आर्थिक मदद नहीं, बल्कि गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक था।

सुनील कुमार ने एक बयान में कहा, भूपेंदर मलिक मेरे बचपन के कोच हैं। उन्होंने ही मुझे पहली बार कबड्डी से जोड़ा और मेरी नींव रखी। कोच भूपेंदर मलिक पिछले 20-25 सालों से खिलाड़ियों को बिना किसी शुल्क के ट्रेनिंग देते आ रहे हैं और अब तक कई पीकेएल स्टार्स को तैयार कर चुके हैं। यह क्षण तब और भी भावुक हो गया जब भूपेंदर मलिक ने शुरुआत में यह उपहार लेने से इनकार कर दिया, लेकिन सुनील कुमार ने विनम्र लेकिन दृढ़ स्वर में कहा कि यह केवल पैसे का लेन-देन नहीं, बल्कि सम्मान और आभार की अभिव्यक्ति है। सुनील ने कहा, जो कुछ भी मैंने प्रो कबड्डी लीग में हासिल

किया है, वह सब उनके प्रशिक्षण की वजह से है। उन्होंने मुझे न केवल डिफेंस सिखाया, बल्कि कवर पोजिशन में खेलने से लेकर नेतृत्व करना भी सिखाया। सुनील इस समय प्रो कबड्डी लीग के सबसे महंगे भारतीय डिफेंडर हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पीकेएल ने खिलाड़ियों की ज़िंदगी पूरी तरह बदल दी है। उन्होंने कहा, पहले हमारे पास कुछ नहीं था। आज पैसा है, नाम है, और दुनिया हमें कबड्डी खिलाड़ी के रूप में पहचानती है।

सुनील कुमार का यह कदम उस रिश्ते को दर्शाता है जिसमें एक शिष्य कभी अपने गुरु को नहीं भूलता।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जीत को रबाडा ने जीवन का सबसे यादगार पल बताया

नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका के स्टार तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में ऑस्ट्रेलिया पर मिली ऐतिहासिक जीत को अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताया है। हालांकि, यह उपलब्धि व्यक्तिगत रूप से बेहद खास थी, लेकिन रबाडा ने इसे पूरी टीम की जीत बताया और साथी खिलाड़ियों के समर्पण की खुलकर तारीफ की।

लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए इस फाइनल मुकाबले में रबाडा ने कुल 9 विकेट चटकाए और एक बार फिर यह साबित किया कि वह टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज़ों में से हैं। इस प्रदर्शन के साथ वह साउथ अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं, उन्होंने महान एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़ दिया। रबाडा अब तक 150 से अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट (38.9) रखने वाले गेंदबाज

हैं।

उन्होंने आईसीसी के हवाले से कहा, मैं खुद को सितारा नहीं मानता। मैं खुद को एक ऐसा खिलाड़ी मानता हूं जो मेहनत करता है, टीम के लिए खून-पसीना बहाता है और लगातार बेहतर बनने की कोशिश करता है। मैं हर मैच में विकेट लेने की सोच लेकर उतरता हूं, लेकिन यह भी जानता हूं कि अकेले नहीं जीत सकता। हम सभी खिलाड़ी किसी वजह से दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यह टीम महज़ एक साल पहले बनी है और ज्यादा अनुभव भी नहीं था, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों ने इतिहास रच दिया।

रबाडा की शानदार शुरुआत

फाइनल की पहली सुबह ही रबाडा ने उस्मान ख्वाजा और कैमरून ग्रीन को एक ही ओवर में आउट कर मैच का रुख बदल दिया। पहली पारी में उन्होंने 5 विकेट पर 51 रन दिए और दूसरी पारी में भी 4 विकेट लेकर मैच में कुल 9 विकेट लिए। इस प्रदर्शन के साथ वे लॉर्ड्स के घरेलू और मेहमान दोनों ड्रेसिंग रूम में ऑनर्स बोर्ड पर नाम दर्ज करने वाले सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बन गए। इससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ महान बल्लेबाज़ गॉर्डन ग्रीनिज को मिली थी। उन्होंने कहा, दूसरी पारी के स्पेल सबसे कठिन होते हैं जब थकान होती है। लेकिन यही वो पल होते हैं जो असली मायने रखते हैं। हमने होश संभाले रखे और योजनाबद्ध तरीके से गेंदबाज़ी की। एक समय तो ऐसा आया जब अचानक पांच विकेट गिर गए – यह एक पागलपन भरा क्रिकेट मैच था। उन्होंने आगे कहा, हमारे मन में दो आवाजें होती हैं – एक जो शक करती है और एक जो विश्वास दिलाती है। हमने विश्वास वाली आवाज को पोषित किया और यही वजह रही कि यह प्रदर्शन संभव हो सका।

रबाडा का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रिकॉर्ड और भी प्रभावशाली हो गया है। उन्होंने अब तक 58 विकेट झटके हैं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, वो भी मात्र 21.39 की औसत से। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलिया एक अनुभवी टीम है, लेकिन अब उम्रदराज़ भी हो चली है। कुछ खिलाड़ी तो ऐसे हैं जिन्हें हमने स्कूल में रहते हुए टीवी पर देखा था। इसलिए हमारे लिए यह जीत और भी खास है – अभी तक इसका एहसास पूरी तरह नहीं हुआ है। इस जीत ने हमें आत्मविश्वास दिया है कि हम भविष्य में भी ऐसा कर सकते हैं।

तो इस जीन के कारण आती है
शरीर से दुर्गंध

अगर कभी आप को अपने शारीर से आती हुई हल्की गंध महसूस हुई हो तो आप को अपनी आर्मपिट को चेक करने की जरूरत है। यदि कभी चुपके से आप अपनी बगलें सूंघे तो शायद आप उससे आने वाली बदबू से रो पड़े। आप इसे स्वीकार करें कि ऐसा होता है। हमारे शरीर में सभी बाह्य कारक जहां से हल्की गंध आती है और उसे छुपाने के लिए आप डियोड्रेंट का सहारा लेते हैं। यही कारण है कि गंध और तेज हो जाती है।

ब्रिटिश महिलाओं पर किया गया अध्यान

डर्मेटोलॉजी पर हाल ही में प्रकाशित एक लेख में लिख गया था कि 6495 ब्रिटशि महिलाओं के ऊपर गंध आने का कारण पता लगाने का अध्यन किया गया। जबाव में पाया गया कि आप के शरीर में एक जीन ऐसा होता है जो शरीर की गंध को बाहर फेकता है। जिसके कारण सभी बाह्य कारकों से हलकी गंध आती है। अगर आप गंध की पूर्व श्रेणी में आते हैं तो आप इसमें ज्यादा कुछ नहीं कर सकते हैं। यह आप के कान की गंध को भी प्रभावित करती है।

गंध से प्रभावित नहीं होते

जिन ब्रिटिश महिलाओं पर यह प्रयोग किया गया उनमे से दो प्रतिभागियों में दो प्रतिशत एबीसीसी11 जीन का एक रूप था। जिसका अर्थ है कि वे शरीर की गंध से प्रभावित नहीं होते हैं। स्टडी के को-आर्थर और जैनेटिक इपिडिमोलॉजिस्ट इयान डे ने ब्रिशटोल की यूनिवर्सिटी में लाइव साइंस में बताया कि यह एक प्रक्रिया होती है कि आप की आर्मपिट गंध का उत्पादन करती हैं या नहीं। जिसे लेकर दुनिया के कुछ भागों में व्यापक्ता है।

यह जीन बताता है गंध का निर्माण होगा

इतना ही नहीं एबीसीसी11 जीन की उपस्थिति हुक्म है कि हम शरीर की गंध को बाहर नहीं फेंकना हैं। यह भी स्थिरता है और यह हमारे कान की गंध पैदा करती है। अगर आप के कान से कुछ चिपचिपा पदार्थ निकलता है तो यह अच्छा है। जिससे यह साबित होता है कि आपकी आर्मपिट वह केमिकल बना रही हैं जो आर्मपिट में गंध के आदेश का आर्डर करता है। लेकिन अगर आप का कान सूखा हुआ है तो यह एक अच्छा संकेत है कि आप को बदबूदार जीन की जरूरत नहीं है।

सभी पूर्वी एशियन-कोरियन में पाया जाता है यह जीन

यूरोप के लोगों के लिए यह बुरी खबर है कि वहां सिर्फ 2 प्रतिशत लोग ही ऐसे बचे हैं जो इस गंध से दूर हैं। डे ने बताया कि सभी ईस्ट एशियन और कोरियन में यही जीन पाया जाता है। एंटीप्रेसप्रिंट पर पिटाई करना हमारी दिनचर्या में शामिल है, हम अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर इस पर पुनर्विचार कर सकते हैं। लिन लोगों के एबीसीसी11 जीन ले जाने के लिए वे अपने पैसे खर्च कर रहे हैं। त्वचा के लिए अच्छा नहीं हो सकता है क्या करने के लिए अपनी त्वचा को वह उजागर करें उन्हें बता दिया गया है।

कारों में एक से बढ़कर एक फीचर्स...

कार बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि बाजार में एक से बढ़कर एक कारें आ रही हैं। इन कारों में एक से बढ़कर एक फीचर्स आ रहे हैं। आने वाले दिनों में फॉक्सवेगन एमियो के साथ भारतीय बाजार में उतरने जा रही है। साथ ही फॉक्सवैगन पोलो जीटीआई भी जल्द ही भारत में लॉन्च होने वाली है। रेनो ने क्विड में सेफ्टी फीचर्स बढ़ाने की बात की है। उधर, 2016 रेंज रोवर स्पोर्ट मॉडल को टेस्टिंग के दौरान वैंकोवर में पेश किया गया है। जापान की ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर कंपनी टोयोटा इस साल के अंत तक भारत में अपनी सेकंड जनरेशन टोयोटा फॉर्च्यूनर को लॉन्च करने जा रही है।

भारतीय कार बाजार में कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट ऐसा सेगमेंट है जहां करीब-करीब हर कंपनी मौजूद है। इस सेगमेंट में भी अच्छी प्रतियोगिता और मांग देखने को मिल रही है। यही वजह है कि फॉक्सवेगन भी एमियो के साथ यहां उतरने जा रही है। यहां हम नजर डालेंगे एमियो के फीचर्स पर जो इसे मुकाबले में बाकी खिलाड़ियों से आगे रखेंगे। डीजल वर्जन को ग्राहक प्राथमिकता देते हैं इसके अलावा धीरे-धीरे ऑटोमैटिक डीजल कारों की मांग भी जोर पकड़ रही है। ऐसे में एमियो सेगमेंट की पहली कार होगी जो ऑटोमैटेड मैनुअल ट्रांसमिशन (एएमटी) के बजाए पूरी तरह से ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ आएगी। इसमें वेंटो और रैपीड डीजल की तरह 7-स्पीड डीएसजी ऑटोमैटिक गियरबॉक्स आएगा। पोलो और वेंटो की तरह एमियो में भी 1.5 लीटर का डीजल इंजन मिलेगा। इसमें पोलो हैचबैक जितना ही टार्क मिलेगा। पोलो में यह इंजन 230 एनएम का टॉर्क देता है। इसके मुकाबले में केवल फोर्ड की फीगो एस्पायर ही है जो 215 एनएम का टॉर्क देती है। बाकी सभी कॉम्पैक्ट सेडान के डीजल वर्जनों का टॉर्क 200 एनएम के नीचे ही है। एमियो में पोलो वाला फ्लैट बॉटम स्टीयरिंग व्हील दिया जाएगा। इसके अलावा ड्राइविंग कंफर्ट के लिए इसमें क्रूज कंट्रोल मिलेगा। एमियो के मुकाबले में मौजूद किसी भी कार में क्रूज कंट्रोल नहीं दिया गया है। फोर्ड फीगो एस्पायर में ड्यूल एयरबैग्स तो स्टैंडर्ड दिए गए हैं लेकिन एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) सिर्फ टॉप वेरिएंट में ही उपलब्ध है। एमियो सेगमेंट की पहली कार होगी जिसमें ड्यूल एयरबैग्स और एबीएस स्टैंडर्ड मिलेगा। एमियो में पोलो और वेंटो की तरह टचस्क्रीन इंफोटेंमेंट सिस्टम मिररलिंक कनेक्टिविटी के साथ मिलेगा। इसके जरिए स्मार्टफोन को इंफोटेंमेंट सिस्टम से कनेक्ट कर सकते हैं। इसके अलावा एमियो में एपल कार-प्ले सपोर्ट भी मिलेगा, जो एपल फोन को सिस्टम से कनेक्ट करेगा। मुकाबले में मौजूद स्विफ्ट डिजायर, होंडा अमेज और एक्सेंट में टचस्क्रीन इंफोटेंमेंट सिस्टम मौजूद नहीं है।

फॉक्सवेगन एमियो

रेनो क्विड होगी अपडेट

ग्लोबल एनसीएपी क्रैश टेस्ट में रेनो क्विड को जीरो रेटिंग हासिल हुई थी। इसके बाद रेनो के ऑफिशियल फेसबुक पेज पर लोगों ने कड़ी प्रतिक्रिया जाहिर की। अब रेनो ने क्विड में सेफ्टी फीचर्स बढ़ाने की बात की है। हालांकि इसकी शुरुआत ब्राजील से होगी। फेसबुक पेज पर रेनो ने कहा है कि हम ब्राजील में क्विड को 4 एयरबैग और एबीएस फीचर्स से लैस करेंगे। दरअसल ब्राजील में साल 2014 से ही सभी वाहनों में ड्यूल फ्रंट एयरबैग और एबीएस देना अनिवार्य है। लिहाजा नियमों का पालन करने के लिए ब्राजील में लॉन्च होने वाली क्विड में बदलाव कर सेफ्टी फीचर्स जोड़े जाएंगे। इससे यह कार ज्यादा सुरक्षित होने के साथ ही लैटिन अमेरिकी क्रैश टेस्ट में भी बेहतर साबित होगी। ब्राजील में क्विड नवंबर 2016 में आयोजित होने वाले साओ पॉलो मोटर शो के दौरान उतारी जाएगी। ब्राजील में दिए जाने वाले सेफ्टी फीचर्स और टेक्नोलॉजी रेनो क्विड के भारतीय अवतार में कब उपलब्ध होंगे, इसके बारे में अभी कोई पुख्ता जानकारी नहीं मिली है। बात करें भारत में उपलब्ध रेनो क्विड की तो फिलहाल इसके किसी भी वेरिएंट में एबीएस नहीं दिया गया है। केवल टॉप वेरिएंट में ही ड्राइवर एयरबैग का विकल्प दिया गया है। जल्द ही इसे पहले से ज्यादा पावरफुल 1000 सीसी या 1.0 लीटर के इंजन और ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ उतारा जाना है। ऐसी खबरें हैं कि नई रेनो क्विड में ड्यूल फ्रंट एयरबैग और एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम भी मिल सकता है।

फॉक्सवैगन पोलो जीटीआई

फॉक्सवैगन पोलो जीटीआई जल्द ही भारत में लॉन्च होने वाली है। फिलहाल इस कार की टेस्टिंग चल रही है। मुंबई के पास टेस्टिंग के दौरान इस कार की कुछ तस्वीरें कैमरे में कैद हुई हैं। फॉक्सवैगन पोलो जीटीआई को 2016 दिल्ली ऑटो एक्सपो में शोकेस किया गया था। उम्मीद है कि ये कार साल के अंत तक भारतीय बाजार में लॉन्च कर दी जाएगी। बताया जा रहा है कि पोलो जीटीआई की कीमत 18 लाख रुपए से लेकर 20 लाख रुपए के बीच हो सकती है। फॉक्सवैगन पोलो जीटीआई दिखने में पोलो जीटी की तरह ही है। कार को शार्प स्टाइलिंग दी गई है। कार में हनीकॉम्ब ग्रिल, स्पोर्टी बंपर, एलईडी हेड-लैंप, हॉरिजॉन्टल एलईडी फॉग लैंप, एलॉय व्हील, रेड ब्रेक कैलिपर और रियर स्पवॉयलर लगाए गए हैं। कार की साइड प्रोफाइल स्लीक और एलिगेंट है। कार में लगे स्पोर्टी एलॉय व्हील और ब्रेक कैलिपर इसकी खूबसूरती बढ़ा रहे हैं। फॉक्सवैगन पोलो जीटीआई में 1.8-लीटर टीएसआई टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन लगा है जो 190 बीएचपी का पावर और 250एनएम का टॉर्क देता है। इस पावरफुल इंजन को कंपनी की मशहूर 7-स्पीड डीएसजी यूनिट से लैस किया गया है। इस कार की टॉप स्पीड 250 किलोमीटर प्रति घंटे की है और ये महज 6.7 सेकेंड में 0-100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ लेती है।

2016 रेंज रोवर स्पोर्ट

रेंज रोवर फुल-साइज्ड फोर-व्हील ड्राइव स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल है जिसे लैंड रोवर द्वारा उत्पादित किया जाता है। इस एसयूवी के 2016 मॉडल को टेस्टिंग के दौरान वैंकोवर में पेश किया गया है। इस 2,144 किलोग्राम की एसयूवी में 3.0 लीटर का टर्बो चार्जड वी6 डीजल इंजन लगा है। साथ ही इस एसयूवी को 8 स्पीड ऑटोबाक्स के साथ अटैच किया गया है। कंपनी के मुताबिक डीजल ऑप्शन में यह कार शहर के बीच चलाने पर 29 प्रतिशत अधिक माइलेज देगी। स्पीड की बात की जाए तो यह कार 96 किमी प्रति घंटे की स्पीड 7.1 सेकेंड में पकड़ लेती है और इसकी टॉप स्पीड 209 किमी प्रति घंटा है। उम्मीद की जा रही है कि इस कार के वेरिएंट्स को लगभग 75,39,113 रुपए कीमत के बीच लॉन्च किया जाएगा।

टोयोटा फॉर्च्यूनर

जापान की ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर कंपनी टोयोटा इस साल के अंत तक भारत में अपनी सेकेंड जेनरेशन टोयोटा फॉर्च्यूनर को लॉन्च करने जा रही है। फॉर्च्यूनर एकलौती ऐसी एसयूवी है जो पिछले कई वर्षों से अपने सेगमेंट में टॉप पोजीशन बनाए हुए है। फर्स्ट जेनरेशन टोयोटा फॉर्च्यूनर के मुकाबले सकंड जनरेशन में काफी बदलाव किए हैं साथ ही इसकी फ्रेम चेसिस को भी अपग्रेड किया गया है। इस नई टोयोटा फॉर्च्यूनर के डिजाइन और लुक की बात की जाए तो इसमें नया ग्रिल डिजाइन, वी शेप का क्रोम बैंड और रियर विंडो लाइन को बिल्कुल नए तरीके से पेश किया गया है। पहली टोयोटा फॉर्च्यूनर का इंटीरियर इम्प्रेसिव नहीं था। लेकिन इस बार इसके इंटीरियर में लैदर का काफी उपयोग किया गया है। डैशबोर्ड पर क्रोम फिनिश दी गई है साथ ही इसके इंटीरियर में टच स्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम भी मौजूद होगा। टोयोटा की नई फॉर्च्यूनर के लिए नया 177 बीएची पावर जनरेट करने वाला 2.8-लीटर डीजल इंजन बनाया जा रहा है। यह मौजूदा 3.0-लीटर इंजन से छोटा है, लेकिन ज्यादा पावर देता है। इसमें 6 स्पीड मैनुअल या फिर 6 स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिया जा सकता है। उम्मीद की जा रही है कि नेक्स्ट जनरेशन टोयोटा फॉर्च्यूनर की लांचिंग के बाद कंपनी 150 बीएचपी का 2.4-लीटर डीजल इंजन वाला वेरिएंट भी लांच करेगी।

कोनिगसेग की नई सुपरकार

कोनिगसेग ऑटोमोबाइल एबी विश्व की जानी-मानी सुपरकार कंपनी है। अपने स्टाइलिश डिजाइन, पावरफुल इंजन और बेहतरीन परफार्मेंस वाली कारों के लिए जानी जाने वाली इस स्वीडिश निर्माता ने अपने सफर (बनी) की शुरुआत 1994 में की थी और बेहद कम समय में यह कंपनी दुनिया की बेहतरीन सुपरकार बनाने वाली कंपनियों में शामिल हो गई है। अब कंपनी एक बार फिर कुछ कमाल करने वाली है। फिलहाल कोनिगसेग की किसी भी कार को खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं है लेकिन कंपनी एक ऐसी कार बनाने में लगी है जिसे ज्यादा से ज्यादा लोग खरीद सकेंगे। इस कार की पावर किसी स्पोर्ट्स कार की तरह ही होगी। कंपनी चाइनीज आटोमेकर क्वोरोज के साथ मिलकर एक हाईपरफार्मेंस 1.6 लीटर इंजन पर काम कर रही है जो 400 हार्सपावर और उससे ज्यादा की पावर देने में सक्षम होगा। इस इंजन को बनाने के लिए वही सिद्धांतों को अपनाया जाएगा जिस पर चलकर कंपनी ने अगेरा और रेगेरा के इंजनों को बनाया है।

मर्सिडीज की जीएलसी एसयूवी

जर्मन की ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर कंपनी मर्सिडीज 2 जून को भारत में जीएलसी नाम की एसयूवी लांच करने जा रही है। इस एसयूवी में मर्सिडीज जीएलसी असल में सी-क्लास लग्जरी सिडान का एसयूवी वर्जन है। इस गाड़ी में मर्सिडीज की सी-क्लास जैसी ही हैडलैंप्स और स्पोर्टी फ्रंट ग्रिल मौजूद है साथ ही इस एसयूवी के फ्रंट में चौड़ा बंपर और साइड में चौड़े और बड़े टायर दिए गए हैं जो इसे काफी आकर्षक बनाते हैं। जहां तक इसके रियर प्रोफाइल का सवाल है, तो यह भी काफी अलग है। पीछे की तरफ हॉरिजॉन्टल स्टाइल में लगे एलईडी टेललैंप्स इसकी लुक को और निखार देते हैं। मर्सिडीज की यह एसयूवी पेट्रोल और डीजल, दोनों इंजन ऑप्शंस में उपलब्ध होगी। पेट्रोल वर्जन में जीएलसी-200, जीएलसी-250 और डीजल वर्जन में जीएलसी-200डी और जीएलसी-250डी वेरियंट उपलब्ध होंगे। सभी इंजन वेरियंट्स 9-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़े होंगे। फीचर्स की बात की जाए तो इसके सेंटर में बड़ी टचस्क्रीन, एंबियंट लाइटिंग और एप्पल कार प्ले के साथ कई लग्जरी फीचर्स मौजूद मिलेंगे। मर्सिडीज की इस एसयूवी में काफी आरामदायक सीटें लगाई गई हैं। इस गाड़ी में कुल मिलाकर 5 लोग आसानी से बैठ सकते हैं। इस एसयूवी में ऑल वील ड्राइव की ऑप्शन भी मिलेगी साथ ही इसमें एयरमैटिक सस्पेंशन लगाए गए हैं।

आ गई है एप्पल की कार

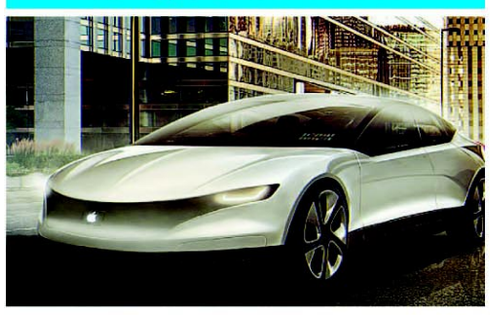

फोन से कंट्रोल होने वाली एप्पल कार के आने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। हाल ही में एपल ने व्हीकल एक्सेस यूजिंग पोर्टेबल डिवाइस का पेटेंट हासिल किया है जिसे उसने अक्टूबर 2011 में फाइल किया था। इसके मुताबिक किसी सकंडरी पोर्टेबल डिवाइस जैसे कि आईफोन और ब्लूटूथ की मदद से कार को अनलॉक, स्टार्ट और कंट्रोल किया जा सकेगा। एपल के पेटेंट में एपल कार का कहीं जिक्र नहीं है इससे साबित होता है कि यह लेटेस्ट तकनीक किसी भी कार के लिए काम करेगी। फोन से कंट्रोल होने वाली एप्पल कार के आने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। फोन से कार कंट्रोल करने वाली तकनीक कोई नई नहीं है। बताते चलें कि फोर्ड और वोल्वो जैसी कारों में स्मार्टफोन एप की सहायता से कार को कंट्रोल किया जाता है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर एप्पल की तकनीक किस मायने में इनसे अलग है। असल में एप्पल के पेटेंट में शामिल तकनीक में सेकेंडरी ड्राइवर को भी कंट्रोल देने की बात पहली बार कही गई है। रिमोट लोकेशन से आईफोन की मदद से कार में मौजूद किसी भी तरह का फंक्शन पूरा किया जा सकेगा। इनमें कार के दरवाजे या स्टोरेज कंपार्टमेंट खोलना या सीट को एडजस्ट करना या फिर रेडियो चलाना जैसे कोई भी फंक्शन हो सकते हैं। फोन से कंट्रोल होने वाली एप्पल कार के आने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। ब्लूटूथ तकनीक की वजह से यह तकनीक केवल उन कारों पर काम करेगी जिनमें शॉर्ट रेंज वायरलैस इंटरकनेक्शन लगा हो। इस तकनीक को यूज करने वाली कार का प्राइमरी होल्डर सेकंडरी पोर्टेबल डिवाइस पर लिमिटशन और रेस्ट्रिक्शन लगाने के लिए स्वतंत्र होगा। उदाहरण के लिए प्राइमरी होल्डर यह निश्चित कर सकता है कि सेकंडरी होल्डर को कार की स्पीड, यात्रा के घंटे या फिर रेडियो को कंट्रोल का एक्सेस नहीं मिले। फोन से कंट्रोल होने वाली एपल कार के आने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। यह तो पहले ही साफ हो चुका है कि यह तकनीक केवल एप्पल कार पर ही चलने के लिए नहीं होगी। इसके मायने ये हैं कि एपल नई इंडस्ट्री की ओर रुख कर रही है। इधर एप्पल की इलैक्ट्रिक कार के बारे में भी अभी तक कोई खबर सामने नहीं आई है। तो क्या रिमोट से चलने वाली एपल कार इलैक्ट्रिक कार होगी।

नई पीढ़ी का मल्टी-रोल फाइटर जेट...

स्वीडन की डिफेंस और सिक्योरिटी कंपनी साब ने नई पीढ़ी का मल्टी-रोल फाइटर जेट पेश किया है। ग्रिपेन ई प्रोटोटाइप 39-8 स्मार्ट फाइटर कम्पनी की लेटैस्ट प्रोडक्शन है। साब के मुताबिक, सिंगल सीटर ग्रिपेन ई इसके पुराने वर्जन (ग्रिपेन के) से ज्यादा एडवांस है। इसमें अधिक से अधिक रेंज और सहनशीलता के साथ-साथ उन्नत हथियार और इलैक्ट्रॉनिक तरीके से लड़ने की क्षमता है। इस विमान की पूरी जानकारी नीचे स्लाइडशो में।

1 घंटे में बदला जा सकता है इंजन

50 फीट लम्बे और 28 फीट लंबे पंखों के साथ ग्रिपेन ई ज्यादा बड़ा फाइटर जेट तो नहीं है लेकिन 16,500 किलोग्राम वजन के साथ टेक ऑफ (उड़ान भरना) कर सकता है। मिशन के समय यह 10 मिनट में तैयार हो सकता है और जरूरत के समय इसके इंजन को 1 घंटे में बदला जा सकता है।

सड़क पर भी संचालित

ग्रिपेन लाइन का यह 6वां वेरिएंट है। ग्रिपेन ई को बेसिक डिजाइन के साथ लाइटवेट और तेजी से बदलाव के लिए चुस्त लड़ाकू विमान बनाया गया है। यह छोटे हवाई अड्डों और यहां तक कि सड़कों से संचालित होने की क्षमता भी रखता है।

50 साल तक दे सकेगा सर्विस

कम रखरखाव वाले डिजाइन के साथ पेश किया गया ग्रिपेन ई लगभग 50 साल की सर्विस दे सकेगा। इसी के साथ इसमें फ्लैक्सिबल हार्डवेयर और बड़ी संख्या में वर्तमान के लगभग सभी हथियारों को फिट किया जा सकता है।

उड़ते समय भर सकता है ईंधन

ग्रिपेन ई में भी डैल्टा विंग, कनार्ड कॉन्फिग्रेशन और फ्लाई-बॉय-वॉयर फ्लाइट एवियोनिक्स का प्रयोग किया गया है लेकिन पुराने वर्जन के मुकाबले यह फ्यूल की बचत ज्यादा करता है। एवियोनिक्स एक इलैक्ट्रिक सिस्टम है जिसका प्रयोग एयरक्रॉफ्ट, आर्टिफीशियल सैटेलाइट और स्पेसक्राफ्ट में किया जाता है।

ज्यादा थ्रस्ट पैदा करता है

जनरल इलैक्ट्रिक एफ414जी जैट इंजन 20 प्रतिशत तक ज्यादा थ्रस्ट पैदा करता है। इसमें इन-फ्लाइट (उड़ते समय) ईंधन भरने की क्षमता है और यह नाटो कम्पैटिबल है। पुराने ग्रिपेन जैट्स तो स्वीडन, साऊथ अफ्रिका, चैक रिपब्लिक, हंगरी और थाईलैंड की फोर्स में अपनी सर्विस दे रहे हैं लेकिन ग्रिपेन ई जैट्स 2019 तक स्वीडन और ब्राजील में अपनी सर्विस देनी शुरू कर सकते हैं।

हमले से बचने के लिए

इसके अलावा ग्रिपेन ई में ए.ई.एस.ए. (एक्टिव इलैक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे) है जो व्यक्तिगत रूप से लक्ष्यों को ट्रैक करता है और इसमें राडार जाम करने वाला सिस्टम भी लगा है। साथ ही आर.डब्ल्यू.आर. (राडार वार्निंग रिसीवर) मिसाइल के हमले से बचने के लिए अलर्ट देता है और दुश्मन के राडार को लॉक कर सकता है, हालांकि एम.ए.डब्ल्यू (मिसाइल एप्रोच वार्निंग) सिस्टम आने वाली मिसाइलों को ट्रैक करता है। उल्लेखनीय है कि साब ग्रूप एक स्वीडिश एयरोस्पेस और डिफेंस कम्पनी है जिसकी स्थापना 1937 में हुई थी।

अब सेल्फ ड्राइविंग ट्रक!

आपने अभी तक सेल्फ ड्राइविंग कारों के बारे में सुना होगा लेकिन अब सेल्फी ड्राइविंग ट्रक भी बाजार में लाने की तैयारी चल रही है। गूगल, टेल्सा और एप्पल जैसी तकनीकी कंपनियों के 40 पूर्व कर्मचारियों के एक समूह ने मानव रहित या स्वयं चलने वाले ट्रकों के युग का आगाज करने के लिए ओटो नामक नई कंपनी बनाई है। अमेरिकी तकनीकी मिडिया द वर्ज की रिपोर्ट के अनुसार, सैन फ्रांसिस्को की इस कंपनी का उद्देश्य पारंपरिक ट्रक उद्योग को उच्च-तकनीक सेक्टर में तब्दील करना है। ओटो ट्रक एक व्यक्ति की अपेक्षा कई अधिक घंटों तक सुरक्षित तरीके से चलने में समर्थ होगा। कंपनी ने वोल्वो वीएनएल 780 ट्रक से शुरुआत की है, जो राजमार्गों पर मौजूद भारी भरकम ट्रकों में से एक है। द वर्ज के मुताबिक, ओटो कंपनी पूरी तरह से अपने पैसे पर खड़ी की गई है, जिसमें बाहर का कोई निवेश नहीं है। द वर्ज ने ओटो के सह-संस्थापक एंटनी लेवानडोवस्की के हवाले से कहा, मेरे ख्याल से वे जो कर रहे हैं, वो कमाल का है। लेकिन मेरे ख्याल से हम जो सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं और वे जो सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं, वो समयसीमा व उद्देश्य के लिहाज से जुदा है। एंटनी गूगल की सेल्फ ड्राइविंग कार टीम के सदस्य रह चुके हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**